www.tamsasanket.com

वर्ष: 29 || अंक 132 || अम्बेडकरनगर

रविवार

02 अगस्त 2026 || पृष्ठ: 08 || मूल्य: ₹2

75 आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक तमसा संकेत

https://epaper.tamsasanket.com

अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम

सूर्योदय: 05:31
सूर्यास्त: 06:54
अधिकतम: 33°00
न्यूनतम: 28°00

पेज 07

विशेष समाचार बहनः संस्कृति, संवेदना... >> पेज 04 | जौनपुर में नायब तहसीलदार... >> पेज 06 | रश्मिका शूटिंग के दौरान हुई...

लश्कर आतंकी लतीफ पर शक, अनंतनाग में कॉन्स्टेबल की हत्या में भी इसका नाम आया था

कुलगाम आतंकी हमला

पहले नाम पूछा, फिर दो हिंदुओं को मार दी गोली!

वारदात

तमसा संकेत, एजेंसी

श्रीनगर । दक्षिण कश्मीर के कुलगाम में 2 हिंदू मजदूरों की हत्या आतंकी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट के आतंकियों ने की है। यह जानकारी खुफिया सूत्रों ने दी है। ये फ्रंट लश्कर ए तैयबा से जुड़ा है। सूत्रों ने बताया कि इस वारदात को अंजाम आतंकी मोहम्मद लतीफ ने दिया है। इसी ने 22 जुलाई को अनंतनाग में हेड कॉन्स्टेबल आशिक हुसैन कुरैशी की लाल चौक इलाके में दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी थी। शुक्रवार रात करीब 8:30 बजे कुलगाम के केलाम में आतंकियों ने ईंट-भट्ठे पर काम कर रहे 2 हिंदू मजदूरों को नाम पूछकर गोली मार दी। >> (शेष पेज 06 पर)

पहलगाम हमले के बाद फिर बढ़ी चिंता

अप्रैल 2025 में पहलगाम के बैसरन घाटी में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी. उस हमले में आतंकियों ने पर्यटकों को धर्म के आधार पर निशाना बनाया था और 26 लोगों की हत्या कर दी थी. अब कुलगाम में गैर-स्थानीय हिंदू मजदूरों की हत्या के बाद एक बार फिर जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ गई है।

> करीब 3-5 लाख प्रवासी मजदूर हर साल मौसमी या अस्थायी काम के लिए जम्मू-कश्मीर पहुंचते हैं। इनमें सबसे ज्यादा मजदूर बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और छत्तीसगढ़ से आते हैं। ये कंस्ट्रक्शन, ईंट-भट्ठों, सड़क परियोजनाओं, बागवानी, कृषि, होटल-पर्यटन और छोटे उद्योगों में काम करते हैं।

यह फोटो आतंकी मोहम्मद लतीफ की है।

उपराज्यपाल ने दिए सख्त कार्रवाई के निर्देश

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने भी हमले की कड़े शब्दों में निंदा की है. उन्होंने पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली. उपराज्यपाल ने सुरक्षाबलों को अभियान और तेज करने तथा हमले में शामिल आतंकियों को जल्द से जल्द ढेर करने के निर्देश दिए हैं।

लतीफ मोटरसाइकिल पर पहुंचा था

रिपोर्ट्स के मुताबिक, लतीफ और उसका साथी मोटरसाइकिल पर प्रवासी मजदूरों के पास पहुंचा था। इन्होंने पहचान पत्र चेक किए और बहुत करीब से गोलीबारी की। स्थानीय लोगों के मुताबिक, उन्होंने 10-12 राउंड फायर की आवाज सुनी। एजेंसियों के अनुसार, लतीफ ने यह हमला इसलिए किया, ताकि वह यह संदेश दे सके कि उसका मॉड्यूल अब भी एक्टिव है और आतंकी हमले करने में सक्षम है। खुफिया सूत्रों का मानना है कि इस गोलीबारी की साजिश सीमा पार बैठे लश्कर के हैंडलर्स ने रची। शक मुख्य रूप से सज्जाद जट्ट / सैफुल्ला पर है, जो पाकिस्तान में रहने वाला जैश का सीनियर हैंडलर है। बीते दो-तीन साल में कश्मीर के ईंट-भट्ठों पर ऐसे ही आतंकी हमले हुए थे, जिसके बाद पुलिस ने यहां CCTV कैमरे लगाने का निर्देश दिया था।

- घायल मजदूर को पहले अनंतनाग के सरकारी मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल ले जाया गया। वहां से उसे श्रीनगर रैफर किया गया, जहां उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई।
- शनिवार सुबह कुलगाम में सुरक्षा बढ़ा दी गई। लोगों से पूछताछ की जा रही है।

छात्रों को पीएम की माफी की जरूरत नहीं : राहुल

राहुल बोले-बल्कि उन्हें माफी मांगनी चाहिए

बयान

तमसा संकेत, एजेंसी

चेन्नई। राहुल गांधी ने शनिवार को चेन्नई में स्टूडेंट्स और NEET में जान गंवाने वाले बच्चों के परिजन से मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने X पर पोस्ट कर लिखा- स्टूडेंट्स को पीएम की माफी की जरूरत नहीं, बल्कि उन्हें स्टूडेंट्स से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'माता-पिता को अपने बच्चे का शोक मनाते देखने से ज्यादा दर्दनाक कुछ नहीं हो सकता। नीट पेपर लीक के बाद न पीएम पीड़ित माता-पिता से मिले हैं और न ही किसी ऐसे छात्र के साथ बैठे हैं जिसका भविष्य पेपर लीक के कारण छिन गया।' राहुल के इस बयान को पीएम मोदी के बच्चों को माफ करने के बयान के बाद आया है। पीएम ने शुक्रवार रात 11 बजे वीडियो जारी कर कहा था, 'जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान कुछ बच्चों ने मुझे और मेरी मां को भद्दी गालियां दीं, लेकिन मैं उन बच्चों को माफ करना चाहता हूं, क्योंकि बचपन गलती सुधारने का समय होता है।'

>> (शेष पेज 06 पर)

- नीट में जान गंवाने वाले बच्चों के परिजनों से मिले

मोदी बोले हमने परंपरा बदली, भारत आज दुनिया का सबसे बड़ा स्टार्टअप हब बना

पहले एयरपोर्ट के नाम एक परिवार पर थे : मोदी

उद्घाटन

तमसा संकेत, एजेंसी

अमरावती । PM मोदी ने शनिवार को अमरावती में कहा- 'देश में पहले एयरपोर्ट के नाम एक ही परिवार के नाम पर होते थे, लेकिन हमारी सरकार ने इस परंपरा को बदल दिया।' 'हमने अयोध्या में एयरपोर्ट का नाम बाल्मीकी के नाम से जोड़ा। पंजाब में एयरपोर्ट का नाम संत रविदासजी के नाम पर रखा।

>> (शेष पेज 06 पर)

युवाओं ने भारत को स्टार्टअप का हब बनाया

मोदी ने कहा कि भारत का युवा जो पहले जंजीरों में था आज आगे बढ़ रहा है। युवाओं की वजह से भारत आज दुनिया का सबसे बड़ा स्टार्टअप हब बन चुका है। ये भारत के युवाओं की वजह से ही हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि युवाओं ने AI, सेमीकंडक्टर और टेक में अपना योगदान दिया है। कुछ दिन पहले युवाओं का बनाया हुआ एक प्राइवेट रॉकेट अंतरिक्ष में पहुंचा है।

भोगापुरम एयरपोर्ट पर 3.8 किमी लंबा रनवे

- यह एयरपोर्ट जीएमआर विशाखापट्टनम इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड ने पीपीपी मॉडल पर 2,703.26 एकड़ में बनाया है।
- पहले फेज में यह एयरपोर्ट सालाना 60 लाख यात्रियों को संभालने के लिए डिजाइन किया गया है। बाद में इसे 4 करोड़ पैसेंजर्स तक बढ़ाने की योजना है।
- इसमें 3,800 मीटर लंबा कोड-ई रनवे है, जो बोइंग 777, 787 ड्रीमलाइनर और एयरबस ए330 व ए340 जैसे बड़े प्लेन को संभाल सकता है।
- यह एयरपोर्ट विशाखापट्टनम, विजयनगरम और श्रीकाकुलम में विकास, टूरिज्म, इन्वेस्टमेंट और डिफेंस को बढ़ावा देगा।
- इसमें 25,000 मीट्रिक टन क्षमता वाला कार्गो टर्मिनल भी है, जिसमें फार्मा और समुद्री उत्पादों के लिए कोल्ड चेन सुविधा है।
- यह हवाई अड्डा भारत के सबसे तेजी से पूरे हुए ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट्स में से एक है, जो तय समय से करीब 5 महीने पहले बनकर तैयार हुआ है। इसे डीजीसीए का लाइसेंस मिल चुका है।

फास्ट न्यूज

टेस्ट में नंबर कम आए, छात्र ने सुसाइड किया

चंडीगढ़। चंडीगढ़ के रामदरबार फेज-2 में शनिवार को 12वीं के छात्र ने घर में फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। घटना के समय उसके माता-पिता ड्यूटी पर गए हुए थे। जब वह घर लौटे तो बेटा फंदे पर लटका मिला।

घोषणा निपटारा

शुभेंदु बोले- सीएए के एप्लिकेशन 6 महीने में क्लियर होंगे

कोलकाता । पश्चिम बंगाल के सीएम शुभेंदु अधिकारी ने शनिवार को घोषणा की कि राज्य में नागरिकता संशोधन अधिनियम के तहत सभी लंबित एप्लिकेशन का निपटारा अगले 6 महीने में हो जाएगा। उन्होंने कहा कि यह कानून नागरिकता देने के लिए बनाया गया है, न कि किसी की नागरिकता छीनने के लिए। न्यू टाउन में आयोजित सीएए प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम में शुभेंदु ने उत्तर 24 परगना के मतुआ समुदाय के करीब 300 लोगों को नागरिकता प्रमाण पत्र दिए। उन्होंने कहा कि पिछली तृणमूल कांग्रेस सरकार ने राजनीतिक लाभ के लिए लोगों को इस कानून के बारे में गुमराह किया था।

तसलीमा नसरीन के कार्यक्रम में हंगामा

कोलकाता । कोलकाता में शनिवार को सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान उस समय हंगामा हो गया, जब निर्वासित बांग्लादेशी लेखिका तसलीमा नसरीन ने मंच पर मशहूर बंगाली कवि जॉय गोस्वामी को बुलाया। इस घटना के कारण तसलीमा का भाषण कुछ देर के लिए बाधित हो गया। यह कार्यक्रम तसलीमा की करीब दो दशक बाद कोलकाता वापसी पर आयोजित किया गया था।

केजरीवाल बोले- पेट्रोल पंप पर ग्राहकों को शुद्ध पेट्रोल खरीदने का विकल्प मिले

ई20 फ्यूल का विरोध

केजरीवाल पीएम आवास तक मार्च निकालेंगे

मांग

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । आम आदमी पार्टी ने शनिवार को E20 फ्यूल के मुद्दे पर 'नेशनल टाउन हॉल' किया। AAP के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि वे 3 अगस्त की दोपहर को याचिकाएं इकट्ठा करेंगे। इसके बाद करीब 100 लोगों के साथ 4 अगस्त को लोक कल्याण मार्ग स्थित PM नरेंद्र मोदी के आवास तक मार्च का नेतृत्व करेंगे। केजरीवाल ने टाउनहॉल के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि अगर इथेनॉल फायदेमंद नहीं है, तो इसे बढ़ावा क्यों दिया जा रहा है? सरकार नागरिकों पर इसे क्यों थोप रही है? आज के टाउन हॉल में लोगों ने तीन मांगें रखीं। पेट्रोल पंपों पर ग्राहकों के पास चुनाव करने का विकल्प होना चाहिए, जो लोग E20 ईंधन चाहते हैं, वे E20 खरीद सकें, और जो लोग शुद्ध पेट्रोल पसंद करते हैं, उनके पास शुद्ध पेट्रोल खरीदने का विकल्प हो। >> (शेष 06 पर)

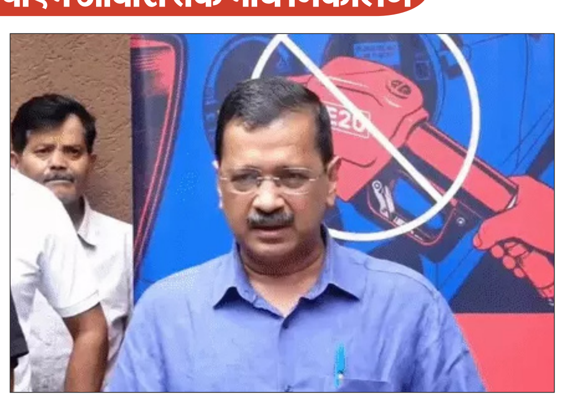

केजरीवाल बोले-इथेनॉल पेट्रोल से महंगा

केजरीवाल ने कहा इथेनॉल की वजह से लोगों को परेशानी हो रही है। यह पेट्रोल से ज़्यादा महंगा है, कम माइलेज देता है, किसानों को कोई फायदा नहीं पहुंचाता और विदेशी मुद्रा की बचत भी नहीं करता।

इसके अलावा, इथेनॉल बनाने वाले प्लांट के आस-पास के इलाकों में जमीन के नीचे का पानी प्रदूषित हो जाता है। उन्होंने सरकार से उस रिपोर्ट को सार्वजनिक करने का भी आग्रह किया, जिसका हवाला देकर सरकार ने दावा किया था कि E20 से वाहनों को कोई नुकसान नहीं होता है।

- इस कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों के लोग शामिल हुए और उन्होंने ई20 के इस्तेमाल को लेकर अपने अनुभव और समस्याओं के बारे में बताया जिनका सामना उन्हें अपने वाहनों के साथ करना पड़ रहा है।

गुजरात के सूरत में 24 घंटे में 24 इंच बारिश

नई दिल्ली । गुजरात में शुक्रवार को हुई भारी बारिश के कारण कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात बन गए। सूरत में सबसे अधिक 24 इंच बारिश दर्ज की गई, जबकि 12 अन्य क्षेत्रों में 10 इंच से अधिक बारिश रिकॉर्ड की गई। मौसम विभाग (IMD) ने शनिवार को गुजरात और केरल राज्य के कई जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। केरल में भी लगातार हो रही भारी बारिश के कारण कई इलाकों में बाढ़ और लैंडस्लाइड जैसे हालात हैं। इडुक्की और कोट्टायम जिलों में अलग-अलग लैंडस्लाइड की घटनाओं में 4 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। मौसम विभाग ने पूर्वी राजस्थान, मध्य महाराष्ट्र, गोवा और कर्नाटक के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, दिल्ली और बिहार समेत 12 राज्यों में यलो अलर्ट जारी किया गया है।

चढ़ावा चोरी का 'नाटक' करने पर राहुल-पप्पू यादव पर एफआईआर

वाराणसी, मथुरा समेत कई शहरों में विरोध-प्रदर्शन

विवाद

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/वाराणसी । दिल्ली में संसद भवन के बाहर राम मंदिर चढ़ावा चोरी के 'नाटक' को लेकर यूपी में विवाद बढ़ता जा रहा है। शनिवार को लखनऊ, वाराणसी, मथुरा समेत कई शहरों में विरोध-प्रदर्शन हुआ।

वाराणसी में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, सपा सांसद अवधेश प्रसाद और बिहार के निर्दलीय सांसद पप्पू यादव पर FIR दर्ज हुई है। ये FIR पातालपुरी मठ के पीठाधीश्वर जगद्गुरु बालक दास ने कोतवाली थाने में कराई है।

लखनऊ में 'सनातन रक्षा संगठन' ने पप्पू यादव की प्रतीकात्मक शवयात्रा निकाली। राहुल-अखिलेश के मुखौटे पहने लोगों पर चप्पलें बरसाईं। संगठन ने पप्पू यादव का सिर लाने वाले को 51 लाख देने का ऐलान किया। वहीं, मथुरा में साधु-संतों ने राहुल गांधी और पप्पू यादव की संसद सदस्यता रद्द करने की मांग की।

>> (शेष पेज 06 पर)

- लखनऊ में हिंदूवादी नेता बोला- पप्पू यादव का सिर लाने वाले को 51 लाख देंगे

मशहूर पर्वतारोही निर्मल पुर्जा की मौत

8 हजार मीटर ऊंची ब्रॉड पीक पर चढ़ रहे थे

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

काठमाण्डू। मशहूर पर्वतारोही निर्मल पुर्जा की पाकिस्तान के कब्जे वाले गिलगित-बाल्टिस्तान में हिमस्खलन की चपेट में आने से मौत हो गई। उनकी ही पर्वतारोहण कंपनी एलीट एक्सपेडिशन ने इसकी पुष्टि की है।

निर्मल 30 जुलाई को काराकोरम इलाके में 8,051 मीटर ऊंची ब्रॉड पीक पर चढ़ाई कर रहे थे। इस दौरान करीब 7,000 मीटर की ऊंचाई पर यह हादसा हुआ। इसमें निर्मल समेत 10 पर्वतारोही लापता हो गए थे। इनमें छह नेपाली थे।

पुर्जा ने 2012 में ब्रिटिश नागरिकता ले ली थी, जिसके बाद उनकी नेपाली नागरिकता खत्म हो गई थी।

>> (शेष पेज 06 पर)

- 6 महीने में 14 सबसे ऊंची चोटियां फतह कीं
- तीसरी बार ब्रॉड पीक की चढ़ाई में जान गई

कार्यक्रम : अजीत डोभाल ने कहा- आज की पीढ़ी को इसका सही मतलब समझना होगा, ये लंबे संघर्ष के बाद मिली है

'आजादी का मतलब केवल मनमानी नहीं'

तमसा संकेत, एजेंसी

पुणे । राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (NSA) अजीत डोभाल ने शनिवार को कहा, 'युवाओं को यह समझना होगा कि आजादी का मतलब केवल अपनी मर्जी से कुछ भी करने की मनमानी नहीं है।'

डोभाल ने यह बात पुणे में लोकमान्य तिलक पुरस्कार कार्यक्रम में कही। इसमें डोभाल को गृहमंत्री अमित शाह ने लोकमान्य तिलक अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

डोभाल ने इस मौके पर कहा, 'युवा आजादी को केवल अपनी इच्छा के अनुसार कुछ भी करने की स्वतंत्रता समझ सकते हैं, लेकिन आजादी का वास्तविक अर्थ यह नहीं है। हमें यह समझाना होगा कि देश की आजादी के पीछे एक लंबा संघर्ष और इतिहास रहा है।' आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने दिल्ली में कहा था, 'आज की नई पीढ़ी बहुत सारे सवाल पूछती है। हमें आदेश देने की बजाय उनसे बातचीत करनी चाहिए।'

>> (शेष पेज 06 पर)

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल को पुणे में लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

शाह ने अजीत डोभाल को अवॉर्ड देकर सम्मानित किया

NSA डोभाल ने कहा कि आज के युवाओं को सोचना चाहिए कि वे केवल राष्ट्रहित में काम करेंगे। उन्हें निजी हितों का त्याग करने के लिए तैयार रहना चाहिए। अगर ऐसे विचार मन में आएं भी, तो उन्हें नजरअंदाज कर देना चाहिए। देश अपने मिशन में सफल होगा और इतिहास का एक नया अध्याय लिखेगा। डोभाल का यह बयान ऐसे समय आया है, जब जंतर-मंतर आंदोलन के दौरान वायरल हुए कुछ 'जेन-जी' वीडियो और बयानों को लेकर विवाद जारी है। इनमें कुछ छात्राओं द्वारा पीएम मोदी के खिलाफ की गई आपत्तिजनक टिप्पणियां भी शामिल हैं। इस घटनाक्रम के बाद अभिव्यक्ति की आजादी और उसकी सीमाओं को लेकर बहस छिड़ी हुई है।

शाह बोले- डोभाल को एनएसए बनाना मोदी का पहला फैसला

शाह ने बताया कि 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद पीएम मोदी द्वारा लिए गए पहले फैसलों में से एक अजीत डोभाल को NSA नियुक्त करना था।

उन्होंने कहा कि इस कदम ने भारत के रणनीतिक रुख को बदल दिया। आज भारत की विदेश नीति में फौलाद जैसी मजबूती है और हमने आत्मसम्मान के साथ दुनिया में अपनी स्थिति मजबूत की है।

मंत्री राजभर ने दिल्ली में पीले गमछे का दम दिखाया, बोले- यह भाजपा पर सीटें बढ़ाने का दबाव या सपा की काट

'सबको पता है कौन ताकतवर'

दावा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। यूपी विधानसभा चुनाव 2027 से पहले सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) ने दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में अपनी ताकत दिखाई। शुक्रवार को हुई सामाजिक समरसता महारैली में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने सपा पर हमला बोला। साथ ही 2027 में फिर से एनडीए की प्रचंड जीत का दावा किया। रैली में पीली टोपी और पीला पटका पहने बड़ी संख्या में समर्थक पहुंचे थे।

रैली में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अरुण राजभर ने कहा कि दिल्ली में आयोजन का उद्देश्य भाजपा नेतृत्व को पार्टी की ताकत दिखाना था। साथ ही कार्यकर्ताओं में यह भरोसा जगाना था कि सुभासपा की पहुंच अब दिल्ली तक है। उन्होंने कहा कि पार्टी पश्चिमी यूपी में भी अपनी मौजूदगी मजबूत कर रही है। 'छड़ी' चुनाव चिह्न के साथ 2027 की लड़ाई के लिए पूरी तरह तैयार है। दरअसल, विधानसभा चुनाव की घोषणा में अब 6 महीने का समय भी नहीं बचा है। एनडीए के सहयोगी दल भाजपा पर दबाव बना रहे हैं कि उन्हें गठबंधन में मिलने वाली सीटों की स्थिति साफ की जाए। जिससे वे उन सीटों पर चुनावी तैयारी शुरू कर सकें। बीते दिनों भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह के लखनऊ प्रवास में भी एनडीए के घटक दलों के नेताओं ने उनसे मुलाकात कर सीटों के बंटवारे पर बात की थी। इसीलिए राजभर की दिल्ली में हुई इस रैली के बाद लखनऊ से लेकर दिल्ली तक सत्ता के गलियारों में चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है।

राजभर ने कहा कि दिल्ली में सामाजिक समरसता रैली में ऐसी जातियों के लोग शामिल हुए, जो आज भी सरकार की योजनाओं से दूर हैं।

सपा-कांग्रेस ने मुसलमानों को धोखा दिया

रैली को संबोधित करते हुए सुभासपा प्रमुख और मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने सपा और कांग्रेस पर मुसलमानों को धोखा देने का आरोप लगाया। कहा- आजादी के समय सरकारी नौकरियों में मुसलमानों की हिस्सेदारी करीब 38% थी, जो अब घटकर 1% से भी कम रह गई है। कुछ दल समाज में नफरत फैलाने की राजनीति करते हैं। जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी की सरकार में मुस्लिम समाज भी शिक्षा के प्रति जागरूक हुआ है। यूपीएससी (सिविल सर्विस) में 53 मुस्लिम बच्चों के सिलेक्शन इसका उदाहरण है।

रैली में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अरुण राजभर ने कहा कि दिल्ली में आयोजन का उद्देश्य भाजपा नेतृत्व को पार्टी की ताकत दिखाना था।

ओबीसी की कई जातियां राजनीतिक रूप से वंचित

यूपी में आज भी बड़ी संख्या में बंजारा, सपेरा, प्रजापति, लोहार, नाई समेत कई पिछड़ी जातियां राजनीतिक प्रतिनिधित्व से वंचित हैं। इन वर्गों को अपनी आबादी के अनुपात में अधिकार नहीं मिले हैं। सुभासपा कार्यकर्ता केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी घर-घर तक पहुंचाएं। रैली को पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अरविंद राजभर, सालिक यादव, सुनील सिंह समेत कई वरिष्ठ नेताओं ने भी संबोधित किया।

'दंडवत माफी से भी जनता भाजपा को माफ नहीं करेगी'

भाजपा का अहंकार ही उसकी सरकार गिराएगा: अखिलेश

आरोप

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि अब भाजपा के नेताओं की स्थिति ऐसी हो गई है कि यदि वे जनता से दंडवत होकर माफी भी मांगें, तब भी जनता उन्हें माफ नहीं करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने जनता से किए गए वादों को कभी पूरा नहीं किया, इसलिए लोगों का भरोसा पूरी तरह टूट चुका है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा और उसके सहयोगियों का इतिहास सत्ता के सामने माफी मांगने का रहा है, लेकिन जनता के प्रति किए गए अपने वादों को निभाने में वे पूरी तरह विफल रहे हैं। उनका कहना था कि जनता अब भाजपा की कथनी और करनी के अंतर को अच्छी तरह समझ चुकी है। सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि दूसरों पर माफी मांगने का दबाव बनाना और बयान बदलवाने की कोशिश करना भाजपा की पुरानी और नकारात्मक राजनीति का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि इस तरह की राजनीति अब पुरानी पड़ चुकी है ।

- सपा प्रमुख ने भाजपा पर वादाखिलाफी का लगाया आरोप
- कहा- बयान बदलवाने की राजनीति से बढ़ रहा जनता का आक्रोश

फास्ट न्यूज

जिला कारागार में योग शिविर

गाजीपुर। गाजीपुर में आयुष विभाग के तत्वावधान में शनिवार की सुबह 7 बजे जिला कारागार में योग शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में बंदियों और कारागार कर्मियों ने विभिन्न योगासन, प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास किया। योग विशेषज्ञों ने नियमित योग को तनाव, चिंता और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों से बचाव का प्रभावी माध्यम बताते हुए इसे दैनिक दिनचर्या में शामिल करने की अपील की।

कांवड़ यात्रा के लिए 20 पुलिस हेल्प डेस्क

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ में सावन पर्व और कांवड़ यात्रा को लेकर पुलिस ने व्यापक सुरक्षा और सुविधा व्यवस्था की है। जिले के 13 थाना क्षेत्रों में कांवड़ मार्गों पर कुल 20 पुलिस हेल्प डेस्क स्थापित किए गए हैं। इन हेल्प डेस्क पर 24 घंटे पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे, ताकि शिवभक्तों को यात्रा के दौरान तत्काल सहायता मिल सके। शनिवार शाम करीब 6:30 बजे अपर पुलिस अधीक्षक ने भूपियामऊ स्थित पुलिस हेल्प डेस्क का निरीक्षण किया। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया और ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को सतर्कता के साथ श्रद्धालुओं की सहायता करने के निर्देश दिए।

सामुदायिक शौचालय केयर टेकर परेशान

गाजीपुर। गाजीपुर में ग्रामीण क्षेत्रों में सामुदायिक शौचालयों पर कार्यरत महिला केयर टेकरों ने मानदेय भुगतान में देरी और वर्तमान भुगतान व्यवस्था पर नाराजगी जताई है। सामुदायिक शौचालय केयर टेकर एसोसिएशन के पदाधिकारी आकाश सागर ने बताया कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत काम करने वाली इन महिला केयर टेकरों की समस्याएं पिछले पांच वर्षों से लगातार बढ़ रही हैं।

'बच्चों से माफी मांगे, नाम बदलने की राजनीति बंद करे भाजपा'

कांग्रेस सांसद पुनिया ने सरकार पर बोला हमला

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी । बाराबंकी से कांग्रेस सांसद तनुज पुनिया ने शनिवार दोपहर 3 बजे दिल्ली के जंतर-मंतर पर आयोजित प्रदर्शन के दौरान केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार पर कई मुद्दों को लेकर तीखा हमला बोला।

उन्होंने नोएडा की नाबालिग छात्रा पर दर्ज ज़ीरो एफआईआर, भदोही का नाम बदलने, जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमलों और अयोध्या चंदा प्रकरण को लेकर सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाए।

सांसद पुनिया ने कहा कि प्रदर्शन के दौरान प्रधानमंत्री के खिलाफ कथित बयानबाजी के आरोप में 15 वर्षीय छात्रा पर एफआईआर दर्ज करना उचित नहीं है। उनका कहना था कि बच्चों पर मुकदमा दर्ज करने के बजाय सरकार को उनसे माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार के कार्यकाल में कई बार छात्र-छात्राओं पर लाठीचार्ज और रबर बुलेट चलाने जैसी घटनाएं भी सामने आई हैं। उन्होंने केंद्रीय गृहमंत्री से युवाओं से माफी मांगने की भी मांग की।

भदोही जिले का नाम बदलकर ₹संत रविदास नगर₹ किए जाने के फैसले पर पुनिया ने कहा कि सरकार विकास के मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए नाम बदलने की राजनीति कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐतिहासिक पहचान वाले स्थानों के नाम बदलकर राजनीतिक लाभ लेने का प्रयास किया जा रहा है।

कांग्रेस सांसद ने बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख पर भी निशाना साधते हुए कहा कि वे लंबे समय से सरकार के खिलाफ प्रभावी विपक्ष की भूमिका निभाने में असफल रही हैं और जनता इसे समझ चुकी है। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में गैर-स्थानीय मजदूरों पर हुए आतंकी हमले का जिक्र करते हुए पुनिया ने कहा कि सरकार सुरक्षा के बड़े-बड़े दावे करती है, लेकिन जमीनी हालात अलग तस्वीर पेश करते हैं। अयोध्या चंदा प्रकरण पर उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार छोटे कर्मचारियों पर कार्रवाई कर बड़े आरोपियों को बचाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि इन सभी मुद्दों पर जनता सरकार से जवाब चाहती है।

नशा समाज और भविष्य दोनों के लिए घातक

जागरूकता ही बचाव का सबसे प्रभावी उपाय सावित्री देवी राम आधार इंटर कॉलेज, सिंहाली में नशा उन्मूलन लिखित प्रतियोगिता का आयोजन

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। क्षेत्र में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति को रोकने और समाज को इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से सावित्री देवी राम आधार इंटर कॉलेज, सिंहाली में नशा उन्मूलन, आर्थिक एवं स्वास्थ्य प्रबंधन विषय पर एक भव्य एवं जागरूकता पूर्ण गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन मेंथा किसान समिति, मसौली द्वारा किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, अभिभावकों एवं स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि वरिष्ठ भाजपा नेता एवं नव चेतना संघ के संस्थापक राजेश वर्मा द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि नशा आज के समाज के लिए एक गंभीर चुनौती बन चुका है। यह न केवल व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि उसके परिवार की खुशियों और सामाजिक संरचना को भी प्रभावित करता है। उन्होंने कहा कि युवा वर्ग देश की रीढ़ है और यदि यही वर्ग नशे की गिरफ्त में आ जाए तो राष्ट्र का भविष्य अंधकारमय हो सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए तंबाकू, शराब एवं अन्य नशीले पदार्थों के दुष्परिणामों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि ये पदार्थ धीरे-धीरे शरीर को अंदर से खोखला कर देते हैं, जिससे अनेक गंभीर बीमारियां उत्पन्न होती हैं।

कार्यक्रम के दौरान मेंथा किसान समिति के अध्यक्ष राजेश वर्मा द्वारा विद्यार्थियों के बीच नशा उन्मूलन, आर्थिक एवं स्वास्थ्य प्रबंधन विषय पर लिखित प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 100 विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिनमें से 10 विद्यार्थियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर शीर्ष सूची में स्थान दिया गया, जबकि शेष 90 विद्यार्थियों को द्वितीय सूची में रखा गया। सभी प्रतिभागियों को प्रोत्साहन स्वरूप सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में चयनित मेधावी छात्र-छात्राओं में कमल कुमार, अंशिका, आदर्श कुमार, ज्योति, सोनी यादव, इरम बानो, प्रियांशी यादव, अल्पिका वर्मा, उज्जवल जैन एवं पारुल वर्मा शामिल रहे। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि द्वारा पुरस्कृत एवं सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने "नशा छोड़ो, जीवन जोड़ो" एवं "स्वस्थ युवा, सशक्त राष्ट्र" जैसे प्रेरणादायक नारों के माध्यम से जागरूकता का संदेश दिया। कार्यक्रम का वातावरण पूरे समय सकारात्मक, प्रेरणादायक एवं जागरूकता से परिपूर्ण रहा।

लखीमपुर में मगरमच्छ गांव में पहुंचा, जाल में फंसा अजगर, 71 शहरों में अलर्ट

बरेली में बारिश, बलिया में नदी में 9 मकान समाए

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/वाराणसी/प्रयागराज। यूपी में मानसून की रफ्तार फिलहाल सुस्त पड़ गई है। पश्चिमी यूपी के कुछ हिस्सों को छोड़कर प्रदेश के बाकी इलाकों में बारिश थम गई है। शनिवार सुबह 6:30 बजे बरेली में तेज बारिश हुई। वहीं, लखनऊ, कानपुर और गोरखपुर समेत कई शहरों में बादल छाए रहे। तेज ठंडी हवाएं चलीं।

उधर, पहाड़ों पर हो रही लगातार बारिश से गंगा, घाघरा और सरयू समेत 10 नदियां उफान पर हैं। वाराणसी में घाटों की सीढ़ियां डूब गई हैं। मंदिरों में पानी घुस गया है। बलिया में सरयू नदी के कटान की चपेट में आकर एक ही दिन में 9 मकान नदी में समा गए, जबकि 100 से ज्यादा परिवार अपने घरों को छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाने को मजबूर हो गए।

लखीमपुर खीरी की नहर में शुक्रवार को फिर मगरमच्छ दिखा। इससे आसपास के गांवों में दहशत फैल गई। एक हफ्ते पहले इसी इलाके में मगरमच्छ ने एक कुत्ते का शिकार किया था। वहीं, एक दूसरे गांव में खेत के पास लगे जाल में 12 फीट लंबा अजगर फंस गया। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने उसे रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ दिया।

मौसम विभाग (IMD) के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी में बना कम दबाव का क्षेत्र अब ओडिशा और छत्तीसगढ़ की ओर बढ़ गया है, जिस वजह से यूपी में मानसूनी गतिविधियों पर अस्थायी ब्रेक लग गया है। सैटेलाइट तस्वीरों में भी प्रदेश के करीब 70-80% हिस्से से बारिश कराने वाले बादल गायब दिख रहे हैं। हालांकि, मौसम विभाग ने आज 71 जिलों में हल्की बारिश की संभावना जताई है।

झांसी में शनिवार सुबह से बादल छाए हैं। बीच-बीच में धूप निकल रही है। दिन में एक या दो बार बारिश होने की संभावना है। अधिकतम तापमान 33 डिग्री और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री रहने का अनुमान है।

लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया-24 से 48 घंटे के अंदर मानसूनी रेखा तेजी से यूपी की तरफ खिसकने लगेगी। इससे मानसूनी गतिविधियां फिर से तेज होंगी। कल यानी 2 अगस्त को हल्की बारिश हो सकती है। इसके बाद 3 अगस्त से तेज बरसात का सिलसिला शुरू होगा। 6 अगस्त पूरे प्रदेश में जोरदार बारिश की संभावना है।

बिजनौर में गंगा उफान पर, गांव में घुसा पानी

बिजनौर में गंगा नदी उफान पर है। बहसूमा-ठाकुरद्वारा स्टेट हाईवे के ऊपर से पानी बहने लगा है। रायपुर खादर, जलालपुर खादर समेत 6 गांवों में बाढ़ का पानी घरों तक पहुंच गया है। बढ़ते जलस्तर को देखते हुए प्रशासन अलर्ट मोड पर है। एसडीएम चांदपुर ने प्रभावित गांवों का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

नाबालिग दलित किशोर को बहला फुसलाकर सुनसान स्थान ले गया युवक

अप्राकृतिक दुष्कर्म का आरोप, मुकदमा दर्ज

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। सूरतगंज कस्बे में एक नाबालिग दलित किशोर के साथ कथित अप्राकृतिक दुष्कर्म का मामला सामने आने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। आरोप है कि दूसरे समुदाय का एक युवक किशोर को बहला-फुसलाकर नगर के एक सुनसान स्थान पर ले गया, जहां उसके साथ जबरन अप्राकृतिक दुष्कर्म किया। विरोध करने पर आरोपी ने किशोर को जान से मारने की धमकी भी दी। घटना की जानकारी मिलने पर परिजनों ने पुलिस को तहरीर दी, जिसके आधार पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस आरोपी की तलाश में जुट गई है।

जानकारी के अनुसार, कस्बे के एक मोहल्ले में रहने वाला नाबालिग किशोर शुक्रवार की शाम घर से बाहर निकला था। इसी दौरान काशीराम कॉलोनी निवासी मुजीब कथित रूप से उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ नगर के एक सुनसान इलाके में ले गया। आरोप है कि वहां आरोपी ने किशोर के साथ जबरन अप्राकृतिक दुष्कर्म किया। जब पीड़ित ने इसका विरोध किया तो आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी दी, जिससे वह भयभीत हो गया। किसी तरह आरोपी के चंगुल से छूटकर किशोर अपने घर पहुंचा और परिजनों को पूरी घटना की जानकारी दी। बेटे की आपबीती सुनकर परिवार के होश उड़ गए। इसके बाद पीड़ित के पिता तत्काल पुलिस के पास पहुंचे और आरोपी के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई। सूचना मिलते ही पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए पीड़ित की तहरीर के आधार पर आरोपी के विरुद्ध संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली। पुलिस ने पीड़ित का चिकित्सीय परीक्षण कराने सहित आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है तथा आरोपी की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

भक्ति : सांसद इमरान मसूद ने प्रसाद बांटा, बेटी को कांवड़ पर बैठाकर निकला पिता

8 लाख में सुपर कार जैसी कांवड़ बनवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ/गाजियाबाद/लखनऊ। यूपी की सड़कों पर कांवड़ियों की भीड़ दिखने लगी है। कुछ भक्त हरिद्वार से गंगाजल लेने जा रहे हैं, तो कुछ वहां से लौट रहे हैं। शनिवार को सहारनपुर में कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कांवड़ सेवा शिविर का उद्घाटन कर शिवभक्तों का स्वागत किया।

मुजफ्फरनगर में कांवड़ यात्रा 2026 की सबसे चर्चित 'मैक्लारेन कांवड़' पहुंची। 8 लाख रुपए की लागत से बनी इस डमी सुपर कार पर महादेव विराजमान हैं। बरेली में कांवड़ यात्रा के चलते सावन के हर सोमवार को स्कूल, कॉलेज और अन्य शिक्षण संस्थान बंद रहेंगे। डीएम अविनाश सिंह के निर्देश पर यह आदेश जारी किया गया है।

हरियाणा के रोहतक से आए 8 शिवभक्त 13 फीट ऊंची कांवड़ के साथ शामली पहुंचे। 'हर-हर महादेव' और 'बोल बम' के जयकारों से पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। बुलंदशहर का रहने वाला 12 साल का अभिषेक हरिद्वार से 41 लीटर गंगाजल लेकर निकला है।

अलीगढ़ के किसान संजय उर्फ संजू बाबा अपनी 8 साल की बेटी राधा और 7 साल की भांजी देवांशी को अलग-अलग कांवड़ों में बैठाकर हरिद्वार से पैदल यात्रा कर रहे हैं। उनका कहना है कि इस यात्रा का उद्देश्य बेटियों के सम्मान, संस्कार और धर्म-रक्षा का संदेश देना है। 19 जुलाई को यात्रा शुरू करने के बाद उन्होंने 22 जुलाई को हर की पौड़ी से गंगाजल उठाया और अब बारी-बारी से दोनों कांवड़ उठाकर गांव की ओर बढ़ रहे हैं। इधर, कांवड़ यात्रा को लेकर पुलिस अलर्ट है। सड़कों से लेकर सोशल मीडिया तक 24 घंटे निगरानी की जा रही है। कांवड़ मार्गों पर CCTV और AI कैमरे लगाए गए हैं। सावन के पहले सोमवार को सादी वर्दी में भी पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे।

बरेली में सावन के सभी सोमवार को स्कूल-कॉलेज बंद

बरेली में कांवड़ यात्रा के चलते सावन के सभी सोमवार को स्कूल, कॉलेज और अन्य शिक्षण संस्थान बंद रहेंगे। जिला प्रशासन ने 3, 10, 17 और 24 अगस्त को विद्यार्थियों के लिए अवकाश घोषित किया है। यह आदेश डीएम अविनाश सिंह के निर्देश पर जारी किया गया है।

प्रशासन के अनुसार, सावन के हर सोमवार करीब 15 लाख कांवड़िए शहर के सातों नाथ मंदिरों में जलाभिषेक करने पहुंचते हैं। इससे प्रमुख मार्गों पर सुबह से देर रात तक भारी भीड़ और जाम की स्थिति रहती है। विद्यार्थियों की सुरक्षा और आवागमन में होने वाली दिक्कतों को देखते हुए यह फैसला लिया गया है।

बलरामपुर में पत्नी-दो बच्चों को गोली मारकर जान दी

चारों की लाश अगल-बगल मिलीं, पास में तमंचा पड़ा था

तमसा संकेत, एजेंसी

बलरामपुर । यूपी के बलरामपुर में पति-पत्नी समेत दो बच्चों की गोली लगने से मौत हो गई। झौहना गांव के गोसाई पुरवा में शुक्रवार शाम 6:50 बजे पति-पत्नी और दो मासूमों का शव मिला। गोली चलने की आवाज सुनकर पड़ोसी भागते हुए मौके पर पहुंचे। घटना की सूचना पुलिस को दी।

पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया कि पहले पति ने पत्नी और दोनों बच्चों गोली मारी। इसके बाद खुद पर फायर किया। हालांकि, पुलिस जांच पूरी होने के बाद ही घटना की असल वजह सामने आने की बात कह रही है। मृतकों में बजरंग गिरी (28), पत्नी कोमल (25), बेटी श्रद्धा (3) और 10 महीने का बेटा जयदीप शामिल हैं।

पुलिस मोबाइल फोन रिकॉर्ड, घरेलू स्थिति और बाकी एंगल पर जांच कर रही है।

बजरंग गिरी, मृतक

मृतक के भाई रामकुमार गिरी ने बताया कि घटना के समय घर में कोई और मौजूद नहीं था। जब परिवार के लोग घर पहुंचे तो चारों के शव पड़े मिले। घटना किस वजह से हुई, इसकी मुझे कोई जानकारी नहीं है।

पुलिस को 1 तमंचा और खोखे मिले

घटना की सूचना पर एसपी विकास कुमार, एएसपी विशाल पांडेय मौके पर पहुंचे। पुलिस ने पूरे घर को सील कर दिया है। मौके से एक देसी तमंचा और कई खोखे मिले हैं। फोरेंसिक टीम ने सबूत इकट्ठा कर शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

एसपी विकास कुमार ने बताया- मृतक के दोनों भाइयों से पूछताछ की जा रही है।

डीएम ने मौके पर पहुंचकर परखी प्रगति पाथवे, बेंच, खेल उपकरण और सोकपिट निर्माण के दिए निर्देश

अमृत सरोवरों का बदलेगा स्वरूप

निर्देश

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर। जिले में अमृत सरोवरों को केवल जल संरक्षण तक सीमित न रखकर उन्हें ग्रामीणों के लिए आकर्षक और उपयोगी सार्वजनिक स्थल के रूप में विकसित करने की कवायद तेज हो गई है। शनिवार को जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने टांडा और आलापुर तहसील के विभिन्न गांवों में पहुंचकर अमृत सरोवरों का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विकास कार्यों की प्रगति देखी और अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ समयबद्ध ढंग से कार्य पूरा कराने के निर्देश दिए।

इसके बाद जिलाधिकारी विकासखंड रामनगर की ग्राम पंचायत रामपुर इंडीपिंडी पहुंचीं। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाया कि नालियों का पानी सरोवर की ओर जा सकता है। इस पर उन्होंने सोकपिट का निर्माण कर गंदे पानी का प्रवाह रोकने के निर्देश दिए। साथ ही सरोवर के सौंदर्यीकरण और नियमित रखरखाव पर भी जोर दिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि अमृत सरोवर योजना का उद्देश्य सिर्फ जल संरक्षण नहीं है। इन सरोवरों को पर्यावरण संरक्षण, ग्रामीण सौंदर्य और सामुदायिक गतिविधियों के केंद्र के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। इससे गांवों में बेहतर सार्वजनिक स्थान विकसित होंगे और लोगों को स्वच्छ वातावरण मिलेगा।

हरैंया और बेलापरसा में विकास कार्यों की समीक्षा

जिलाधिकारी ने विकासखंड बसखारी की ग्राम पंचायत हरैंया और बेलापरसा स्थित अमृत सरोवरों का निरीक्षण किया। उन्होंने दोनों सरोवरों के चारों ओर पाथवे बनाने, बैठने के लिए बेंच लगाने और बच्चों के लिए खेल उपकरण स्थापित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन सरोवरों का विकास इस प्रकार किया जाए कि यहां ग्रामीणों को स्वच्छ और बेहतर वातावरण उपलब्ध हो सके।

> जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी विकास कार्य तय समय-सीमा में पूरे किए जाएं। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी की जाए और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए, ताकि अमृत सरोवर योजना का लाभ ग्रामीणों तक प्रभावी ढंग से पहुंच सके।

इंदईपुर में भी दिए सुधार के निर्देश

ग्राम पंचायत इंदईपुर स्थित अमृत सरोवर का निरीक्षण करते हुए जिलाधिकारी ने साफ-सफाई, हरियाली और जनसुविधाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि अमृत सरोवरों का विकास निर्धारित मानकों के अनुरूप किया जाए और किसी भी स्तर पर गुणवत्ता से समझौता न हो।

सड़क सुरक्षा का संदेश लेकर निकले नन्हे कदम

लिटिल एंजिल्स विद्यालय की रैली बनी आकर्षण का केंद्र

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। सड़क सुरक्षा अभियान के तहत लिटिल एंजिल्स विद्यालय ने शनिवार को शहर में जन-जागरूकता रैली निकालकर लोगों को यातायात नियमों के पालन के लिए प्रेरित किया। विद्यार्थियों ने हाथों में स्लोगन लिखी तख्तियां लेकर सड़क सुरक्षा से जुड़े संदेश दिए। रैली के दौरान नुक्कड़ नाटक के माध्यम से भी लोगों को सुरक्षित यातायात के प्रति जागरूक किया गया। रैली का शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी हिमांशु मिश्रा, विद्यालय के प्रबंधक अतुल टंडन और प्रधानाचार्या संगीता टंडन ने हरी झंडी दिखाकर किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को यातायात नियमों का पालन करना चाहिए। जागरूकता ही सुरक्षित यातायात की सबसे मजबूत कड़ी है।

रैली में शामिल छात्र-छात्राओं ने हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करने और नशे की हालत में वाहन न चलाने जैसे संदेश दिए। पूरे मार्ग में विद्यार्थियों ने जागरूकता से जुड़े नारे लगाकर लोगों का ध्यान सड़क सुरक्षा की ओर आकर्षित किया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर लापरवाही से वाहन चलाने के दुष्परिणामों को दर्शाया। नाटक में बिना हेलमेट वाहन चलाने, तेज रफ्तार और मोबाइल फोन के इस्तेमाल जैसी लापरवाहियों से होने वाली दुर्घटनाओं को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। प्रस्तुति के माध्यम से सुरक्षित ड्राइविंग की आवश्यकता पर जोर दिया गया। रैली जिस मार्ग से गुजरी, वहां राहगीरों और स्थानीय लोगों ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना की।

फास्ट न्यूज

सड़क सुरक्षा सद्भावना कप: डॉक्टर्स इलेवन की लगातार दूसरी जीत

अम्बेडकरनगर। आराध्या श्री फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित सड़क सुरक्षा सद्भावना कप के दूसरे मुकाबले में डॉक्टर्स इलेवन ने क्रिएटर्स चैंपियन्स अंबेडकरनगर को चार विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। मुकाबला विशाल क्रिकेट एकेडमी में खेला गया।

टूटी पुलिया बनी खतरे का रास्ता

अम्बेडकरनगर। जलालपुर थाना क्षेत्र के गोलपुर बाजार के पास स्थित नहर की पुलिया जर्जर होने से राहगीरों की परेशानी बढ़ गई है। पुलिया पर बने बड़े गड्ढों में बारिश का पानी भर जाने से हर दिन आवागमन जोखिम भरा हो रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मार्ग से हजारों लोग रोजाना गुजरते हैं, लेकिन पुलिया की मरम्मत अब तक नहीं कराई गई है। स्थानीय लोगों के अनुसार पुलिया कई स्थानों से क्षतिग्रस्त है। बरसात होते ही गड्ढों में पानी भर जाता है, जिससे सड़क की वास्तविक स्थिति दिखाई नहीं देती। ऐसे में दोपहिया वाहन चालकों, साइकिल सवारों और पैदल राहगीरों को काफी सावधानी के साथ निकलना पड़ता है।

अलनपुर तिराहे पर पुलिस का शिकंजा

अम्बेडकरनगर। इब्राहिमपुर थाना क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बिहार के तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार तीनों के कब्जे से कुल 4.305 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ है। बरामदगी के आधार पर तीनों के खिलाफ मादक पदार्थों की तस्करी से संबंधित प्रावधानों के तहत कार्रवाई की गई है।

23.23 करोड़ के मुख्यमंत्री मॉडल स्कूल निर्माण पर उठे सवाल

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जिले की महत्वाकांक्षी शैक्षिक परियोजनाओं में शामिल मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालय के निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठने लगे हैं। अकबरपुर विकासखंड के रामपुर सकरवारी गांव में बन रहे विद्यालय में स्थानीय लोगों ने निर्माण सामग्री की गुणवत्ता पर गंभीर आपत्ति दर्ज कराई है। उनका आरोप है कि भवन निर्माण में मानक के अनुरूप ईंटों के बजाय कमजोर गुणवत्ता की ईंटों का इस्तेमाल किया जा रहा है।

निर्माण स्थल पर लगे सूचना बोर्ड के अनुसार मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालय का निर्माण बेसिक शिक्षा विभाग के तहत उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट कॉर्पोरेशन लिमिटेड की अयोध्या निर्माण इकाई द्वारा कराया जा रहा है। परियोजना की कुल स्वीकृत लागत 2323.58 लाख रुपये (करीब 23.23 करोड़ रुपये) है। निर्माण कार्य 17 अप्रैल 2026 से शुरू हुआ है और इसे 17 अक्टूबर 2027 तक पूरा किया जाना प्रस्तावित है। स्थानीय लोगों का कहना है कि निर्माण कार्य में उपयोग की जा रही कई ईंटें अपेक्षित गुणवत्ता की नहीं हैं। उनका आरोप है कि साइट पर ऐसी ईंटें भी दिखाई दे रही हैं, जो कमजोर हैं और आसानी से टूट रही हैं। लोगों का कहना है कि करोड़ों रुपये की परियोजना में निर्माण सामग्री की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।

> रामपुर सकरवारी में निर्माणाधीन विद्यालय में घटिया ईंटें लगाए जाने का आरोप, गुणवत्ता पर स्थानीय लोगों ने जताई चिंता

दोषियों को जल्द सजा दिलाने की रणनीति पर मंथन

मुकदमों की प्रभावी पैरवी पर पुलिस का फोकस

> पैरवी सेल की गोष्ठी में लंबित मामलों की समीक्षा, साक्ष्यों और अभियोजन को मजबूत बनाने के दिए गए निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। आपराधिक मामलों में प्रभावी पैरवी के माध्यम से दोषियों को समयबद्ध और कड़ी सजा दिलाने की दिशा में पुलिस ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक (पश्चिमी) हरेंद्र कुमार ने पैरवी सेल के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ गोष्ठी कर लंबित मुकदमों की समीक्षा की। बैठक में अभियोजन प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने और न्यायालय में मजबूत पैरवी सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया।

गोष्ठी में विभिन्न थानों से संबंधित लंबित मुकदमों की प्रगति की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने प्रत्येक प्रकरण की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली और जहां भी पैरवी या दस्तावेजी प्रक्रिया में किसी प्रकार की कमी थी, उसे समय रहते दूर करने के निर्देश दिए। अपर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि न्यायालय में प्रभावी अभियोजन के लिए साक्ष्यों का समय पर संकलन, अभिलेखों की शुद्धता और सभी आवश्यक दस्तावेजों का समय से प्रस्तुत होना बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने निर्देश दिए कि हर मुकदमे की नियमित मॉनिटरिंग की जाए, ताकि किसी भी स्तर पर अनावश्यक देरी न हो। बैठक में पुलिस, पैरवी सेल और अभियोजन से जुड़े अधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने पर भी जोर दिया गया। कहा गया कि विवेचना से लेकर न्यायालय में सुनवाई तक सभी स्तरों पर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, जिससे दोषियों के खिलाफ साक्ष्य प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किए जा सकें और न्यायिक प्रक्रिया मजबूत हो।

सावन के पहले सोमवार से पहले प्रशासन की मैदानी परीक्षा

चहोड़ाघाट से शिव मंदिर तक तैयारियों का लिया गया जायजा

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। सावन के पहले सोमवार पर उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भीड़ को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियों की रफ्तार तेज कर दी है। रविवार से कांवड़ यात्रियों के जत्थों के निकलने की संभावना के बीच शनिवार को जिलाधिकारी ईशा प्रिया और पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने आलापुर क्षेत्र के चहोड़ाघाट, शिव मंदिर समेत प्रमुख धार्मिक स्थलों का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की पड़ताल की। अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा से जुड़ी तैयारियों का बारीकी से आकलन किया तथा संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने सबसे पहले घाट और मंदिर परिसर की साफ-सफाई की स्थिति देखी। इसके बाद पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, पार्किंग, बैरिकेडिंग, आवागमन के मार्ग और श्रद्धालुओं के प्रवेश-निकास की

व्यवस्थाओं की समीक्षा की। अधिकारियों ने यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया कि श्रद्धालुओं को किसी भी स्थान पर अनावश्यक भीड़, अव्यवस्था या असुविधा का सामना न करना पड़े। जिन बिंदुओं पर सुधार की आवश्यकता महसूस हुई, उन्हें तत्काल पूरा करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों से तैयारियों की प्रगति की जानकारी लेते हुए कहा कि सावन माह के दौरान सभी व्यवस्थाएं पूरी तरह सक्रिय रहनी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि मंदिरों और घाटों पर साफ-सफाई की नियमित निगरानी हो, पेयजल और प्रकाश व्यवस्था निर्बाध रहे तथा श्रद्धालुओं की आवाजाही सुचारु बनाए रखने के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें।

ड्रैगन फ्रूट से लेकर मशरूम तक पर मिलेगा अनुदान, डीएम ने की योजनाओं की समीक्षा

बागवानी मिशन को रफ्तार देने की तैयारी

> - ड्रैगन फ्रूट, केला और अमरूद पर रहेगा विशेष फोकस
> - प्रचार-प्रसार बढ़ाने और लक्ष्य समय पर पूरे करने के निर्देश
> - बैठक में कई विभागों के अधिकारी रहे मौजूद

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जिले में एकीकृत बागवानी विकास मिशन (एमआईडीएच) के तहत वर्ष 2026-27 की कार्ययोजना को अंतिम रूप देने की तैयारी शुरू हो गई है। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी ईशा प्रिया की अध्यक्षता में जिला स्तरीय

समन्वय एवं अनुश्रवण समिति की बैठक हुई। इसमें भारत सरकार के नए दिशा-निर्देशों, जिले को मिले भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्यों और विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई।

बैठक में जिला उद्यान अधिकारी ने बताया कि इस वर्ष फल, सब्जी और बागवानी आधारित कई योजनाओं में किसानों को अनुदान दिया जाएगा। फल क्षेत्र विस्तार कार्यक्रम के तहत अमरूद के चार हेक्टेयर, ड्रैगन फ्रूट के दो हेक्टेयर और केले के छह हेक्टेयर क्षेत्र का लक्ष्य तय किया गया है। इन योजनाओं में निर्धारित मानकों के अनुसार 40 प्रतिशत अनुदान मिलेगा। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि अधिक से अधिक पात्र किसान लाभ उठा सकें। उन्होंने कहा कि बागवानी एवं सब्जी योजनाओं के लाभार्थियों को ₹पर ड्रॉप मोर क्रॉप₹ योजना के तहत सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली से भी जोड़ा जाए। साथ ही सभी लक्ष्य निर्धारित समय-सीमा में पूरे किए जाएं और पात्र किसानों को पारदर्शी तरीके से लाभ उपलब्ध कराया जाए।

सब्जी, मसाला और पुष्प उत्पादन को भी बढ़ावा

वर्ष 2026-27 में हाइब्रिड और देशी सब्जियों के क्षेत्र विस्तार, प्याज-लहसुन उत्पादन, गेंदा और ग्लैडियोलस की खेती, औषधीय एवं सुगंधित पौधों, मधुमक्खी पालन, बागवानी यंत्रीकरण, प्लास्टिक मल्चिंग, लो-कॉस्ट मशरूम उत्पादन और सब्जियों के लिए मचान निर्माण जैसी योजनाएं भी संचालित की जाएंगी। अधिकांश योजनाओं में 40 से 50 प्रतिशत तक अनुदान का प्रावधान रखा गया है।

ऑनलाइन होंगे आवेदन, पहले आवेदन करने वालों को प्राथमिकता

जिला उद्यान अधिकारी ने बताया कि सभी आवेदन विभागीय पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन लिए जाएंगे। लाभार्थियों का चयन ₹प्रथम आवक-प्रथम पावक₹ के आधार पर किया जाएगा। आवेदन के समय किसानों को खतौनी, आधार कार्ड, बैंक पासबुक की प्रति और पासपोर्ट आकार का फोटो ऑनलाइन अपलोड करना होगा।

राजकीय बालिका हाई स्कूल का स्टाफ और छात्र संख्या चर्चा में

रामपुर सकरवारी के विद्यालय में नामांकन के मुकाबले कर्मियों की संख्या पर उठे सवाल

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। अकबरपुर विकासखंड के रामपुर सकरवारी स्थित राजकीय बालिका हाई स्कूल में छात्राओं की संख्या और तैनात स्टाफ के अनुपात को लेकर सवाल उठने लगे हैं। विद्यालय में कुल 56 छात्राओं के सापेक्ष शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों की संख्या स्थानीय स्तर पर चर्चा का विषय बनी हुई है।

विद्यालय की प्रधानाचार्या अंजना वर्मा के अनुसार स्कूल में वर्तमान में कुल 56 छात्राएं नामांकित हैं। इनमें कक्षा नौ में 35 और कक्षा 10 में 21 छात्राएं अध्ययनरत हैं। विद्यालय में फिलहाल केवल हाईस्कूल स्तर तक की कक्षाएं संचालित हो रही हैं।

उपलब्ध जानकारी के अनुसार विद्यालय में चार शिक्षक कार्यरत हैं। इसके अलावा एक स्वीपर, एक चौकीदार तथा दो प्रचारक भी तैनात हैं। छात्र संख्या की तुलना में स्टाफ की संख्या को लेकर स्थानीय लोगों के बीच चर्चा तेज हो गई है।

सरकारी विद्यालयों में कार्यरत एलटी ग्रेड शिक्षकों के वेतनमान और अन्य कर्मचारियों के मानदेय को देखते हुए स्थानीय स्तर पर विद्यालय के वार्षिक वेतन व्यय को लेकर भी चर्चा हो रही है। हालांकि विद्यालय के वास्तविक वेतन भुगतान और कुल व्यय का आधिकारिक ब्योरा सार्वजनिक नहीं है। ऐसे में सटीक वित्तीय आंकड़े संबंधित विभाग के अभिलेखों से ही स्पष्ट हो सकेंगे।

शिक्षा विभाग के उपलब्ध रिकॉर्ड और यू-डायस (UDISE) पोर्टल पर रामपुर सकरवारी के राजकीय विद्यालय का विवरण दर्ज है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले वर्षों में भी इस विद्यालय में छात्र संख्या अपेक्षाकृत कम रही है। मौजूदा सत्र में भी नामांकन सीमित रहने से विद्यालय की उपयोगिता और संसाधनों के बेहतर उपयोग को लेकर चर्चा हो रही है।

गांवों से हटेगा प्लास्टिक का बोझ, एक दिन में 8.20 कुंतल कचरा हुआ एकत्र

बाजार वाली ग्राम पंचायतों से जुटाया गया प्लास्टिक कचरा

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जिले में प्लास्टिक प्रदूषण पर नियंत्रण और ग्रामीण क्षेत्रों को स्वच्छ बनाए रखने के लिए शनिवार को विशेष प्लास्टिक एकत्रीकरण अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान नौ विकासखंडों की चयनित ग्राम पंचायतों से करीब 8.20 कुंतल प्लास्टिक कचरा एकत्र किया गया। अब इस कचरे को प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट भेजकर वैज्ञानिक तरीके से निस्तारित किया जाएगा।

जिला पंचायत राज विभाग की ओर से चलाए गए अभियान में बसखारी, भीटी, भियांव, कटेहरी, जलालपुर, टांडा, रामनगर, जहांगीरगंज और अकबरपुर विकासखंड शामिल रहे। प्रत्येक विकासखंड की बाजार वाली ग्राम पंचायतों में सफाई अभियान चलाकर प्लास्टिक कचरा एकत्र किया गया।

अभियान के दौरान बसखारी की

हंसवर और रामडीह सराय ग्राम पंचायतों से 60 किलोग्राम प्लास्टिक एकत्र किया गया। भीटी के सेहरा जलालपुर से 50 किलोग्राम और भियांव के नेवादा तथा अंबरपुर से एक कुंतल प्लास्टिक कचरा जुटाया गया। कटेहरी के अनावा और मंशापुर से भी एक कुंतल प्लास्टिक एकत्र हुआ। जलालपुर के खजुरी और अकबरपुर के सिकंदरपुर से 1.10-1.10 कुंतल प्लास्टिक कचरा एकत्र किया गया, जो अभियान के दौरान सर्वाधिक रहा। टांडा विकासखंड की सदरपुर, चिंतौरा, रसूलपुर मुबारकपुर और सलेमपुर ग्राम पंचायतों से भी एक कुंतल प्लास्टिक एकत्र किया गया।

हादसा : जायरीनों से भरी सीएनजी ऑटो पलटी, दो की हालत गंभीर

दरगाह पहुंचने से पहले हादसा

> झारखंड से किछौछा जियारत के लिए आ रहे 14 यात्रियों में 12 घायल, बसखारी के पास मचा हड़कंप

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। विश्व प्रसिद्ध किछौछा दरगाह की जियारत के लिए झारखंड से आए जायरीनों का सफर बसखारी क्षेत्र में हादसे का शिकार हो गया। भगाही के आगे असौवापार धोवहा के पास रविवार को यात्रियों से भरी सीएनजी ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में ऑटो में सवार 14 में से 12 लोग घायल हो गए। घायलों में दो की हालत गंभीर होने पर उन्हें मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, जबकि अन्य का

प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। जानकारी के अनुसार झारखंड के पलामू जिले से 14 जायरीन किछौछा स्थित सैयद मखदूम अशरफ की दरगाह पर जियारत के लिए आए थे। सभी एक ही सीएनजी ऑटो में सवार होकर दरगाह की ओर जा रहे थे। इसी दौरान असौवापार धोवहा के पास वाहन का संतुलन बिगड़ गया और ऑटो सड़क पर पलट गई। ऑटो पलटते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोग तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे और घायलों को वाहन से बाहर निकाला। सूचना मिलने पर एंबुलेंस पहुंची और सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बसखारी भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने उनका उपचार शुरू किया। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने दावा किया कि ऑटो में निर्धारित क्षमता से अधिक सवारियां बैठी थीं। कुछ लोगों ने चालक के नशे में होने की भी आशंका जताई। हालांकि पुलिस या प्रशासन की ओर से इन दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

दो को मेडिकल कॉलेज किया गया रेफर

चिकित्सकों के अनुसार समरीन खातून (28) और अली मोहम्मद (65) को गंभीर चोटें आई थीं। प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को बेहतर इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज सदरपुर रेफर कर दिया गया। अन्य घायलों में साजिदा, इमरान, गुलनाज, शहनवाज, शहजादी बीबी, अजमेरी बीबी, फरजाना बीबी, शहरून बीबी, नाजमा बीबी और शमीनाज शामिल हैं। सभी की हालत खतरे से बाहर बताई गई है।

सम्पूर्ण समाधान दिवस: आलापुर में शिकायतों का सबसे बड़ा अंबार

सभी विभागों को तय समय में कार्रवाई के निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जिले में शनिवार को आयोजित अगस्त माह के प्रथम सम्पूर्ण समाधान दिवस में एक बार फिर लोगों ने अपनी समस्याएं सीधे प्रशासन के सामने रखीं। सबसे अधिक शिकायतें आलापुर तहसील में पहुंचीं, जहां जिलाधिकारी ईशा प्रिया और पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने जनपद स्तरीय अधिकारियों के साथ फरियादियों की शिकायतें सुनीं। सुनवाई के दौरान अधिकारियों ने लंबित मामलों में किसी भी प्रकार की शिथिलता पर सख्त रुख अपनाते हुए स्पष्ट किया कि प्रत्येक शिकायत का निष्पक्ष, गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। आलापुर तहसील में कुल 146 शिकायती प्रार्थना-पत्र प्राप्त हुए। इनमें से 17 मामलों का मौके पर ही समाधान कर दिया गया, जबकि शेष शिकायतों को संबंधित विभागों को कार्रवाई के लिए भेजा

गया। जिलाधिकारी ने अधिकारियों से कहा कि शिकायतों के निस्तारण को केवल औपचारिक प्रक्रिया तक सीमित न रखा जाए। प्रत्येक प्रकरण की तथ्यात्मक जांच कर प्रभावी कार्रवाई की जाए, ताकि शिकायतकर्ता को वास्तविक राहत मिल सके। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने पुलिस विभाग से संबंधित मामलों की अलग से सुनवाई की। उन्होंने कानून-व्यवस्था और पुलिस से जुड़े मामलों में त्वरित कार्रवाई के निर्देश देते हुए कहा कि शिकायतों के निस्तारण में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए। हर प्रकरण की गंभीरता के अनुसार समय पर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

सम्पादकीय

चढ़ावा चोरी पर तमाशा

अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामले की ओर ध्यान आकृष्ट करने के लिए गत दिवस संसद परिसर में जो कुछ किया गया, वह केवल विपक्षी दलों की सतही-सस्ती राजनीति का परिचायक ही नहीं, बल्कि संत समाज और साथ ही हिंदुओं की भावनाओं को आहत करने वाला भी है। जो हिंदू समाज चढ़ावा चोरी के मामले से पहले ही आहत है, उसे और उद्वेलित करने वाले ये वही लोग हैं, जिन्होंने राम मंदिर बनने का कभी स्वागत नहीं किया। कुछ ने तो उसके उद्घाटन में आमंत्रण को अस्वीकार करने का भी काम किया और इसे उचित भी ठहराया।

अब वे ऐसा दिखा रहे हैं कि चढ़ावा चोरी की घटना से सबसे अधिक दुखी वही हैं। इसके लिए उन्होंने जो स्वांग किया, वह एक तरह से भगवा भेष धारण करने वालों को अपमानित करने वाला ही है। यह ध्यान रहे कि चढ़ावा चोरी में किसी संत का नाम नहीं आया है। दान हड़पने के मामले में जो लोग गिरफ्तार किए गए हैं और जिन पर अपनी जिम्मेदारी का सही तरीके से निर्वाह न करने के आरोप लगे हैं, उनमें से कोई भी साधु नहीं है। इसके बाद भी संसद परिसर में सांसद पप्पू यादव साधु भेष में दान मांगते दिखे। उन्हें दान देने का नाटक राहुल गांधी समेत अन्य अनेक सांसदों ने किया। इनमें मुख्यतः सपा सांसदों की भागीदारी रही। इसके बाद पप्पू यादव दान पात्र लेकर भागते दिखे।

एक गंभीर मामले को फूहड़ तरीके से उठाना यही दिखाता है कि राम मंदिर में चढ़ावा चोरी पर विपक्ष का एकमात्र उद्देश्य तंज कसना और तमाशा खड़ा करना है। इस कोशिश में वह यह देखने को भी तैयार नहीं कि आखिर संत समाज और भगवा को अपमानित करके उसे क्या हासिल होने वाला है? ऐसा काम वही कर सकता है, जो चढ़ावा चोरी के मामले से सही तरह परिचित न हो या फिर जिसका उद्देश्य नारेबाजी की राजनीति करना अथवा संत समाज को अपमानित करना हो।

इससे बड़ी विडंबना और कोई नहीं कि साधु बनने का स्वांग उन पप्पू यादव ने रचा, जो केवल दागी छवि वाले सांसद ही नहीं हैं, बल्कि उन पर हत्या के प्रयास, अवैध कब्जे करने, रंगदारी मांगने समेत करीब 40 मामले दर्ज हैं। इन मामलों का उल्लेख स्वयं उन्होंने पिछले लोकसभा चुनाव में अपने शपथपत्र में किया था।

राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामले में विपक्ष ने केंद्र सरकार और विशेष रूप से गृहमंत्री अमित शाह को भी कठघरे में खड़ा करने की कोशिश की। आखिर उनका इस मामले से क्या लेना-देना? क्या वे देश में हर कहीं चोरी-गबन के लिए जिम्मेदार होंगे? स्पष्ट है कि विपक्ष चढ़ावा चोरी प्रकरण का इस्तेमाल केवल राजनीतिक रोटियां सेंकने के लिए कर रहा है। इसमें कोई रोक नहीं, लेकिन किसी मुद्दे को भोंडे ढंग से उठाना ऐसा करने वाले की नीयत पर सवाल उठाता है।

बहनः संस्कृति, संवेदना और सशक्त भारत की आधारशिला

> देश के विभिन्न राज्यों से हजारों बेटियों और बहनों की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने यह सिद्ध कर दिया कि भारतीय नारी केवल परिवर्तन की साक्षी नहीं, बल्कि परिवर्तन की सबसे बड़ी वाहक है।

रिश्तों की दुनिया में यदि कोई संबंध निस्वार्थ प्रेम, आत्मीयता, विश्वास, त्याग और आजीवन साथ का सबसे सुंदर उदाहरण है, तो वह बहन का रिश्ता है। बहन केवल परिवार की सदस्य नहीं होती, वह घर की संवेदना, संस्कारों की संरक्षिका, परिवार की आत्मा और समाज की मानवीय चेतना की वाहक होती है। राष्ट्रीय बहन दिवस इसी अनुपम रिश्ते के सम्मान, उसकी गरिमा और उसके जीवनदायी योगदान को स्मरण करने का अवसर है। प्रत्येक वर्ष अगस्त के प्रथम रविवार को मनाया जाने वाला यह दिवस हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि यदि परिवारों में बहनों का स्नेह और संस्कार जीवित रहेंगे, तभी समाज में समरसता और राष्ट्र में मानवीय मूल्यों की धारा प्रवाहित होती रहेगी। आज जब भौतिकता, प्रतिस्पर्धा और आत्मकेंद्रित जीवनशैली रिश्तों की ऊष्मा को चुनौती दे रही है, तब राष्ट्रीय बहन दिवस केवल एक औपचारिक उत्सव नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की उस अमूल्य परंपरा का पुनर्स्मरण है, जहाँ नारी को परिवार की धुरी, संस्कृति की संवाहिका और भविष्य की निर्माता माना गया है। बहन का व्यक्तित्व केवल अपने भाई या परिवार तक सीमित नहीं रहता, वह आने वाली पीढ़ियों के संस्कारों का निर्माण करती है। उसके व्यक्तित्व में करुणा, सहनशीलता, सेवा, संयम और समर्पण जैसे गुण समाज को मानवीय बनाते हैं। इसी व्यापक दृष्टि को साकार करने की दिशा में जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा द्वारा 1 अगस्त 2026 को जैन विश्व भारती, लाडनूं में राष्ट्रसंत आचार्य श्री महाश्रमणजी की मंगल सन्निधि में आयोजित 'बेटी तेरापंथ की' चौथा राष्ट्रीय सम्मेलन एक ऐतिहासिक और प्रेरणादायी अध्याय बनकर उभरा। राष्ट्रीय बहन दिवस की भावना के अनुरूप आयोजित यह सम्मेलन केवल एक कार्यक्रम नहीं था, बल्कि नारी चेतना, बहन संस्कृति और पारिवारिक मूल्यों के पुनर्जागरण का सशक्त अभियान था। सम्मेलन में उपस्थित प्रत्येक बेटी और बहन अपने साथ केवल उत्साह नहीं लाई थी, बल्कि संस्कार, सेवा, नेतृत्व और सामाजिक उत्तरदायित्व का एक नया संकल्प लेकर आई थी। यह दृश्य भारतीय संस्कृति के उस उज्ज्वल भविष्य का संकेत था, जिसमें नारी केवल सम्मान की पात्र नहीं, बल्कि समाज-निर्माण की सक्रिय भागीदार है। इस सम्मेलन की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि यहाँ नारी सशक्तिकरण को केवल अधिकारों की भाषा में नहीं, बल्कि उत्तरदायित्व, संस्कार, नेतृत्व और आध्यात्मिक चेतना के साथ जोड़ा गया। आधुनिकता और परंपरा के बीच संतुलन स्थापित करते हुए यह संदेश दिया गया कि वास्तविक सशक्तिकरण वही है जो व्यक्ति को आत्मविश्वासी बनाए, परिवार को सुदृढ़ करे, समाज को संगठित करे और राष्ट्र को ऊँचाइयों तक ले जाए। राष्ट्रसंत आचार्य श्री महाश्रमणजी के प्रेरणादायी सान्निध्य ने इस सम्मेलन को आध्यात्मिक ऊँचाई प्रदान की। आचार्यश्री का संपूर्ण जीवन नारी गरिमा, नैतिक मूल्यों, शिक्षा, आत्मानुशासन और मानवीय चेतना के विकास के लिए समर्पित रहा है। उनके मार्गदर्शन में चल रहे अनेक कार्यक्रमों ने समाज में यह विश्वास जगाया है कि नारी केवल घर की शक्ति नहीं, बल्कि राष्ट्र के चरित्र निर्माण की आधारशिला है। उनके संदेशों में बार-बार यह भाव उभरता है कि यदि नारी शिक्षित, संस्कारित, आत्मविश्वासी और मूल्यनिष्ठ होगी तो परिवार, समाज और राष्ट्र स्वयं सुदृढ़ बन जाएगा। इस अवसर पर जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा के अध्यक्ष श्री महेंद्र नाहटा ने अत्यंत सारगर्भित विचार व्यक्त करते हुए कहा कि 'नारी के बिना राष्ट्र की प्रगति अधूरी है। जिस समाज ने अपनी बेटियों और बहनों को अवसर, सम्मान और संस्कार दिए हैं, वही समाज स्थायी विकास की दिशा में आगे बढ़ा है। आचार्य श्री महाश्रमणजी के मार्गदर्शन में चल रहे नारी उत्थान के विविध कार्यक्रम केवल महिलाओं को सशक्त नहीं बना रहे, बल्कि पूरे समाज में नैतिक जागरण और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का आधार बन रहे हैं।' उन्होंने कहा कि 'बेटी तेरापंथ की' केवल एक सम्मेलन नहीं, बल्कि ऐसी वैचारिक यात्रा है जो बेटियों और बहनों को आत्मगौरव, नेतृत्व, सेवा और संस्कार के माध्यम से राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा से जोड़ रही है। वास्तव में भारत की आत्मा उसकी संस्कृति में बसती है और भारतीय संस्कृति का सबसे सुंदर स्वरूप उसके पारिवारिक संबंधों में दिखाई देता है। बहन का रिश्ता केवल राखी के धागे तक सीमित नहीं है, वह विश्वास, सहयोग, प्रेरणा और नैतिक शक्ति का ऐसा सूत्र है जो परिवारों को टूटने नहीं देता। यदि हर बेटी अपने संस्कारों से एक परिवार को प्रकाशित करती है, तो हर बहन अपने व्यवहार से समाज में संवेदनाओं का विस्तार करती है। आज आवश्यकता केवल महिलाओं को अवसर देने की नहीं, बल्कि उन्हें निर्णय प्रक्रिया, सामाजिक नेतृत्व, सांस्कृतिक संरक्षण और राष्ट्रीय विकास के केंद्र में स्थापित करने की है। जब बेटियां शिक्षा, संस्कार, आत्मनिर्भरता और आध्यात्मिक दृष्टि से समृद्ध होंगी, तभी भारत विश्वगुरु बनने की अपनी कल्पना को वास्तविकता में बदल सकेगा। आर्थिक विकास महत्वपूर्ण है, परंतु नैतिक विकास उसके बिना अधूरा है। और इस नैतिक विकास की सबसे बड़ी वाहक हमारी बेटियां और बहनें ही हैं। राष्ट्रीय बहन दिवस का वास्तविक संदेश भी यही है कि हम बहनों को केवल शुभकामनाएँ देकर अपने दायित्व की इतिश्री न समझें, बल्कि उन्हें शिक्षा, सम्मान, समान अवसर, सुरक्षा और नेतृत्व के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करें। परिवारों में बेटियों को निर्णय लेने का अवसर मिले, समाज में उनकी प्रतिभा को मंच मिले और राष्ट्र उन्हें विकास की साझेदार बनाएक्र्यही इस दिवस की सार्थकता है। 'बेटी तेरापंथ की' सम्मेलन ने यह सिद्ध कर दिया कि जब धार्मिक संस्कार, सामाजिक चेतना और आधुनिक नेतृत्व एक साथ चलते हैं, तब परिवर्तन केवल विचारों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि वह जीवन का आंदोलन बन जाता है। यह सम्मेलन आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहेगा और यह संदेश देता रहेगा कि बहन केवल रिश्ते का नाम नहीं, बल्कि संस्कृति की सबसे सशक्त प्रतिनिधि है।

ललित गर्ग

तेरापंथ में नव सौरभ का आगमन

अप्रकंप पुरुषार्थ के धनी , अलौकिक व्यक्तित्व, युगपुरूष , महान दार्शनिक , विश्व शान्ति के दीप, महान साधक युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी के अमृत वचनों से तेरापंथ में नव सौरभ का आगमन हुआ हैं । सोमवार का दिन मानों सम्पूर्ण तेरापंथ धर्मसंघ के लिए किसी स्वर्णिम दिवस से कम न था। इस स्वर्णिम दिन और स्वर्णिम सुअवसर को वर्तमान अधिशास्ता युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी ने और सुनहरे अवसर के रूप में परिवर्तित कर दिया जब युगप्रधान अनुशास्ता ने महामना भिक्षु स्वामी के जन्म दिवस व बोधि दिवस के दौरान अपने मंगल उद्बोधन में पावन पाथेय प्रदान करने के उपरान्त युवाचार्य श्री के नाम की घोषणा की । आचार्य श्री भिक्षु के पट्टधर वर्तमान् के भिक्षु आचार्य श्री महाश्रमण जी ने आषाढ़ शुक्ला त्रयोदशी विक्रम संवत् 2083 को (27-7-2026)) को युवाचार्य के रूप में मुख्य सुशिष्य मुनि श्री महावीर कुमार जी को उत्तराधिकारी के रूप में युवाचार्य पद पर नियुक्त कर तेरापंथ में नव सौरभ का आगमन का कर दिया । करीब 250 वर्षों पूर्व महामना भिक्षु स्वामी ने जैन श्वेताम्बर तेरापंथ धर्मसंघ की स्थापना की और उन्होंने अपने युवाचार्य के रूप में आचार्य श्री भारमलजी को चुना और वे ही तेरापंथ धर्मसंघ के द्वितीय आचार्य बने। इस प्रकार तेरापंथ धर्मसंघ में यह परंपरा चली कि वर्तमान् के आचार्य अपने भावी उत्तराधिकारी का प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप में अथवा युवाचार्य के रूप में घोषित कर देता है। वहीं युवाचार्य आगे चलकर तेरापंथ धर्मसंघ का नेतृत्वकर्ता बन सकता है। यह आचार्य परंपरा गतिमान होते हुए वर्तमान में ग्यारहवें आचार्य, युगप्रधान, महातपस्वी आचार्यश्री महाश्रमणजी के साथ चल रही है। आचार्य श्री महाश्रमण जी ने परंपरानुसार नवनियुक्त युवाचार्य श्री महावीरकुमारजी को अपने हाथों से उत्तरीय ओढ़ाते हुए कहा कि ये आचार्य श्री भिक्षु की परंपरा को आगे बढ़ाने का प्रयास करते रहें।

> प्रदीप छाजेड़

यह राशि सीधे बैंक...

आदर अदीब पावेल बन्धु

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना : सामाजिक समरसता और आर्थिक सहयोग की एक सशक्त पहल

भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में विवाह केवल दो व्यक्तियों का मिलन नहीं बल्कि दो परिवारों, संस्कृतियों और परंपराओं का संगम होता है। किन्तु समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए विवाह एक बड़ी चुनौती बन जाता है। बढ़ते खर्च, सामाजिक दबाव और परंपरागत रीति-रिवाजों के कारण गरीब परिवारों को अपनी बेटियों के विवाह में भारी आर्थिक बोझ उठाना पड़ता है। इसी समस्या के समाधान के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा अक्टूबर 2017 को ₹मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना₹ का शुभारंभ किया गया है। यह योजना न केवल आर्थिक सहायता प्रदान करती है, बल्कि समाज में समानता, सादगी और सामूहिकता की भावना को भी बढ़ावा देती है।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना का मुख्य उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों का विवाह सम्मानपूर्वक संपन्न कराना है। इसके अंतर्गत सरकार एक ही स्थान पर कई जोड़ों का सामूहिक विवाह कराती है, जिससे विवाह में होने वाला अनावश्यक खर्च कम होता है। इसके साथ ही यह योजना दहेज प्रथा जैसी कुरीतियों को समाप्त करने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है। वहीं, गरीब परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान करना, विवाह में सादगी को बढ़ावा देना, दहेज प्रथा पर रोक लगाना, सामाजिक समरसता और समानता को बढ़ावा देना, महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा को सुनिश्चित करना इस योजना के मुख्य उद्देश्य हैं। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना की कई महत्वपूर्ण विशेषताएँ है, जो इसे समाज के लिए अत्यंत उपयोगी बनाती हैं। इसमें पात्र को अब रू0 1 लाख तक (जिसमें रू० 35,000-रू0 60,000 नकद, रू0 10,000 रू0 25,000 का सामान, और शेष आयोजन खर्च के लिए) आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है।

यह राशि सीधे बैंक खाते में भेजी जाती है, जिससे पारदर्शिता बनी रहती है। सामूहिक आयोजन में विवाह समारोह एक ही स्थान पर कई जोड़ों के साथ आयोजित किया जाता है। इसमें सभी धार्मिक रीति-रिवाजों का ध्यान रखा जाता है।

राज्य सरकार द्वारा दुल्हन को विवाह के लिए आवश्यक सामग्री जैसे कपडे, आभूषण, घरेलू उपयोग की वस्तुएँ आदि भी उपलब्ध कराई जाती है।

यह योजना सभी धर्मों और वर्गों के लोगों के लिए खुली है, जिससे सामाजिक एकता को बढ़ावा मिलता है। पात्र लाभार्थी ऑनलाइन या ऑफलाइन माध्यम से आसानी से आवेदन कर सकते हैं।

पात्रता मानदंड के अंतर्गत आवेदक राज्य का स्थायी निवासी होना चाहिए, परिवार की आय निर्धारित सीमा से कम होनी चाहिए, विवाह योग्य आयु (लड़की 18 वर्ष और लड़का 21 वर्ष) पूरी होनी चाहिए, परिवार आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (BPL या अन्य श्रेणी) में आता हो इस योजना का लाभ उठाने के लिए कुछ आवश्यक पात्रता शर्तें निर्धारित की गई है। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अनेक सामाजिक और आर्थिक लाभ हैं जैसे गरीब परिवारों को विवाह के लिए कर्ज लेने की आवश्यकता नहीं पड़ती, जिससे वे आर्थिक संकट से बच जाते हैं। सामूहिक विवाह के कारण दहेज की मांग स्वतः कम हो जाती है, जिससे समाज में सकारात्मक परिवर्तन आता है। इस योजना के तहत सभी वर्गों के लोग एक साथ विवाह करते हैं, जिससे भेदभाव कम होता है। सरकार द्वारा दी जाने वाली सहायता महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने में मदद करती है। यह योजना भव्यता के बजाय सादगीपूर्ण विवाह को प्रोत्साहित करती है।

इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना ने समाज पर गहरा सकारात्मक प्रभाव डाला है। पहले जहां गरीब परिवार अपनी बेटियों के विवाह के लिए चिंतित रहते थे, अब उन्हें एक सुरक्षित और सम्मानजनक विकल्प मिल गया है। यह योजना सामाजिक कुरीतियों को खत्म करने में भी सहायक सिद्ध हो रही है। सामूहिक विवाह में दहेज की परंपरा कम हो जाती है। विभिन्न जाति और धर्म के लोग एक मंच पर आते हैं। आर्थिक सहायता से गरीब परिवारों की स्थिति बेहतर होती है।

व्यापक प्रचार-प्रसार, पारदर्शी व्यवस्था और डिजिटल भुगतान, समाज में जागरूकता अभियान चलाना इस योजना की महत्वपूर्ण चुनौतियां एवं सुझाव हैं। निसंदेह, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना एक ऐसी पहल है, जो समाज के कमजोर वर्गों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रही है। यह न केवल आर्थिक सहायता प्रदान करती है, बल्कि सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने और समानता स्थापित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यदि इस योजना का प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन किया जाए और अधिक से अधिक लोगों तक इसकी जानकारी पहुँचाई जाए, तो यह समाज में एक नई दिशा प्रदान कर सकती है। अंततः यह योजना ₹सादगी, समानता और सम्मान₹ के सिद्धांतों पर आधारित एक प्रेरणादायक कदम है, जो न केवल गरीब परिवारों के लिए सहारा है बल्कि पूरे समाज के लिए एक आदर्श भी प्रस्तुत करती है।

पंचायतों को ...

डॉ0 सीमा गुप्ता

'मिशन पंचनद' से साकार होती जनपद इटावा की आत्मनिर्भर एवं सशक्त ग्राम पंचायतों की संकल्पना

उत्तर प्रदेश के ग्रामीण अंचल में सर्वांगीण विकास, सुशासन और आर्थिक स्वावलंबन की दिशा में एक ऐतिहासिक बदलाव की शुरुआत हो चुकी है। प्रदेश सरकार के दूरदर्शी निर्देशों के अनुपालन में जनपद इटावा के पंचायती राज विभाग द्वारा संचालित 'मिशन पंचनद' राज्य की ग्राम पंचायतों को आत्मनिर्भर, सशक्त और तकनीकी रूप से दक्ष बनाने के लिए एक क्रांतिकारी पहल के रूप में उभरा है। इस बहुआयामी योजना का मुख्य उद्देश्य स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों का सर्वोत्कृष्ट उपयोग करते हुए पंचायतों को केवल सरकारी अनुदान पर निर्भर रहने वाली संस्था से बदलकर स्वयं के राजस्व स्रोतों से सुसज्जित एक सक्षम और वित्तीय रूप से स्वावलंबी इकाई के रूप में विकसित करना है।

उत्तर प्रदेश शासन की विकास प्राथमिकताओं के अनुरूप जनपद इटावा के ग्रामीण परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए पंचायती राज विभाग और जिला प्रशासन के माध्यम से ग्राम पंचायतों को सुदृढ़ बनाने का एक व्यावहारिक खाका तैयार किया गया है। 'मिशन पंचनद' के अंतर्गत मुख्य रूप से पांच प्रमुख स्तंभों-वित्तीय स्वावलंबन, सुशासन, डिजिटल एवं तकनीकी समावेश, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सहभागिता को केंद्र में रखकर ग्रामीण सशक्तीकरण की नींव रखी गई है। इस मॉडल के तहत गांवों में ही स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है ताकि ग्रामीण निवासियों को अपनी आजीविका के लिए शहरों की ओर पलायन न करना पड़े।

ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय आत्मनिर्भरता को गति देने के लिए ग्राम पंचायतों को अपनी स्वयं की आय (ऑन सोर्स रेवेन्यू-ओएसआर) बढ़ाने के नए अवसर प्रदान किए गए हैं। इसके अंतर्गत जनपद इटावा की विभिन्न ग्राम पंचायतों में पंचायत भूमि पर व्यावसायिक दुकानों एवं पंचायत उद्योग केंद्रों का निर्माण कराया गया है। पंचायत परिसंपत्तियों के इस योजनाबद्ध और पारदर्शी उपयोग से न केवल ग्राम पंचायतों को नियमित आय प्राप्त हो रही है, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार और स्वरोजगार के अनेक नए अवसर भी सृजित हुए हैं। यह व्यवस्था पंचायतों के वित्तीय संतुलन को दीर्घकालिक रूप से मजबूत करने में सहायक सिद्ध हो रही है।

जनपद इटावा के अंतर्गत इन व्यावसायिक परिसरों के संचालन की मुख्य जिम्मेदारी 'महिला स्वयं सहायता समूहों' को सौंपी गई है। इस व्यवस्था से एक तरफ जहां ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनने का सुदृढ़ मंच मिला है, वहीं दूसरी तरफ ग्राम पंचायतों की वित्तीय स्थिति में निरंतर सुधार दर्ज किया जा रहा है। महिला समूहों को प्रबंधन सौंपने से इन व्यावसायिक इकाइयों का निष्पादन अत्यंत अनुशासित और पारदर्शी रहा है। विकास खंड बढ़पुरा की ग्राम पंचायत 'जैतपुर जमुनापार' में स्थापित 'पंचनद ग्रामीण बाजार' इस नवाचार का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जहां सात दुकानों का निर्माण कराकर उन्हें महिला समूहों को संचालित करने हेतु आवंटित किया गया है। इन दुकानों के माध्यम से पेंट एवं पशु आहार, खाद-बीज, सोलर उत्पाद, ब्यूटी पार्लर, बुटीक तथा जनरल स्टोर जैसे विविध व्यवसाय सफलतापूर्वक संचालित किए जा रहे हैं।

जरा हटके

आर्थिक विकास ...

जयेन्द्र सिंह, सहयुक्त संपादक

उत्तर प्रदेश एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेज़ी से अग्रसर

उत्तर प्रदेश आज केवल देश का सर्वाधिक जनसंख्या वाला राज्य ही नहीं है, बल्कि भारत की आर्थिक प्रगति का सबसे बड़ा इंजन बनने की दिशा में भी तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। गत 09 वर्षों में प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने जिस प्रकार कानून-व्यवस्था, आधारभूत संरचना, निवेश, औद्योगिक विकास, कृषि, आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स तथा वित्तीय अनुशासन जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय सुधार किए हैं, उसने उत्तर प्रदेश को देश की सबसे तेज़ी से विकसित होती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल कर दिया है।

वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए राज्य का सकल राज्य घरेलू उत्पाद 39.8 लाख करोड़ रुपये अनुमानित है, जो वर्ष 2025-26 के संशोधित अनुमान की तुलना में लगभग 28 प्रतिशत की वृद्धि होगी। यह वृद्धि केवल एक सांख्यिकीय उपलब्धि नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश की बदलती आर्थिक संरचना, सुशासन और दीर्घकालिक विकास नीति का प्रमाण है। राज्य सरकार ने वर्ष 2029-30 तक उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। यह लक्ष्य महत्वाकांक्षी अवश्य है, लेकिन वर्तमान विकास की गति और नीति-आधारित प्रयासों को देखते हुए पूरी तरह व्यवहारिक भी है।

एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था का लक्ष्य केवल उत्पादन बढ़ाने तक सीमित नहीं है। इसका अर्थ है कि राज्य के प्रत्येक क्षेत्र में संतुलित विकास हो, रोजगार के नए अवसर सृजित हों, उद्योगों का विस्तार हो, किसानों की आय में वृद्धि हो, युवाओं को आधुनिक कौशल प्राप्त हो तथा निवेश के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया जाए। इसी व्यापक दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए प्रदेश सरकार ने अपने विकास का बहुआयामी मॉडल तैयार कर क्रियान्वयन शुरू कर दिया है।

प्रदेश सरकार ने इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कृषि, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण जैसे कोर सेक्टरों की पहचान की है। इसके साथ ही शिक्षा, कौशल विकास, ऊर्जा, स्वास्थ्य, आधारभूत संरचना तथा शहरी विकास को भी समान रूप से महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। सरकार केवल औद्योगिक विकास तक सीमित नहीं रहना चाहती, बल्कि मानव संसाधन और सामाजिक विकास को भी आर्थिक प्रगति का आधार मानती है। उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था में कृषि की भूमिका सदैव महत्वपूर्ण रही है। राज्य की बड़ी आबादी कृषि पर निर्भर है। इसलिए कृषि क्षेत्र को आधुनिक तकनीक, बेहतर बाजार व्यवस्था तथा मूल्य संवर्धन से जोड़ना राज्य की आर्थिक रणनीति का अभिन्न अंग है। कृषि के साथ खाद्य प्रसंस्करण, भंडारण तथा आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति दी जा रही है। इसी प्रकार आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण को भविष्य की अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार माना गया है। डिजिटल तकनीक, इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन तथा आधुनिक औद्योगिक इकाइयों के विस्तार से न केवल बड़े पैमाने पर रोजगार सृजित होंगे, बल्कि उत्तर प्रदेश वैश्विक निवेशकों के लिए भी एक आकर्षक गंतव्य के रूप में स्थापित होगा।

आर्थिक विकास केवल उद्योगों से संभव नहीं होता। इसके लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और कुशल मानव संसाधन भी आवश्यक हैं। इसी कारण शिक्षा एवं कौशल विकास को भी प्रमुख विकास क्षेत्रों में शामिल किया गया है। प्रशिक्षित और दक्ष युवा ही आधुनिक उद्योगों, सेवा क्षेत्र तथा नवाचार आधारित अर्थव्यवस्था की वास्तविक शक्ति बन रहे हैं। इसी प्रकार स्वास्थ्य क्षेत्र में निवेश उत्पादक मानव संसाधन तैयार करने हेतु आवश्यक सेवाओं से मानव शक्ति तैयार की जा रही है।

ऊर्जा और आधारभूत संरचना किसी भी विकसित अर्थव्यवस्था की रीढ़ होती हैं। पर्याप्त ऊर्जा उपलब्धता, बेहतर सड़क संपर्क, आधुनिक परिवहन प्रणाली तथा विकसित शहरी सुविधाएँ निवेश आकर्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उत्तर प्रदेश ने इन्हीं क्षेत्रों में निरंतर निवेश कर विकास की मजबूत नींव तैयार की है।

आज 05 अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों सहित 17 क्रियाशील हवाई अड्डों वाला उत्तर प्रदेश देश में सर्वाधिक हवाई अड्डों वाला राज्य बन चुका है। इसके साथ ही राज्य के पास देश का सबसे लंबा एक्सप्रेसवे नेटवर्क भी उपलब्ध है। यह उपलब्धि केवल परिवहन सुविधा तक सीमित नहीं है, बल्कि निवेश, पर्यटन, उद्योग, व्यापार और रोजगार को नई गति देने वाली आधारभूत संरचना का निर्माण भी है। बेहतर कनेक्टिविटी किसी भी अर्थव्यवस्था की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को बढ़ाती है तथा उत्पादन लागत को कम करती है।

राज्य सरकार को विश्वास है कि जेवर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के संचालन से राज्य की अर्थव्यवस्था को और अधिक गति मिलेगी। अंतर्राष्ट्रीय स्तर की हवाई संपर्क व्यवस्था निर्यात, लॉजिस्टिक्स, पर्यटन तथा औद्योगिक निवेश के लिए नए अवसर उपलब्ध कराएगी। इससे पश्चिमी उत्तर प्रदेश सहित पूरे राज्य को आर्थिक लाभ मिलने की संभावना है।

उत्तर प्रदेश की विकास रणनीति की एक अन्य महत्वपूर्ण विशेषता क्षेत्रीय संतुलन है। राज्य को चार प्रमुख क्षेत्रों पश्चिमी, पूर्वी, मध्य तथा बुंदेलखंड में विभाजित कर प्रत्येक क्षेत्र की आवश्यकताओं और संभावनाओं के अनुरूप अलग-अलग विकास रणनीति तैयार की जा रही है।

7.50 लाख रिश्वत लेते इंजीनियर गिरफ्तार

विजिलेंस ने 3 लोगों को रंगेहाथ पकड़ा, मकान बनवाने के बदले 15 लाख मांगे थे

पूछताछ

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में विकास प्राधिकरण के जेई समेत 3 लोग 7.50 लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए पकड़े गए। विजिलेंस ने शिकायत-कर्ता के जरिए इन्हें पैसे देने के लिए बुलाया था। गोमती नगर के प्राधिकरण कार्यालय में आरोपियों ने पैसे लिए, टीम ने उन्हें रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।

जोन-5 ऑफिस में तैनात JE दिनेश कुमार वर्मा, सुपरवाइजर चंद्र प्रकाश और बिचौलिए श्रवण कुमार ने शिकायतकर्ता को धमकाया था। उससे मकान निर्माण के बदले 15 लाख रुपए की डिमांड की थी। विजिलेंस टीम अब आरोपियों से पूछताछ में जुटी है। विजिलेंस की जांच में सामने आया कि जेई और सुपरवाइजर ने रिश्वत के लिए बाहरी व्यक्ति श्रवण कुमार को अपने साथ मिला रखा था। मकान बनवा रहे व्यक्ति को IGRS शिकायत का डर दिखाकर तीनों रिश्वत की मांग कर रहे थे। शिकायतकर्ता ने जांच कर रही टीम को रिश्वत से जुड़ी मोबाइल कॉल और बाकी सबूत भी दिए थे। शिकायत सही पाए जाने के बाद विजिलेंस ने रिश्वतखोर जेई की गिरफ्तारी की प्लानिंग की। शनिवार को शिकायतकर्ता तय रकम 7.50 लाख रुपए लेकर पहुंचा। जैसे ही आरोपियों ने रिश्वत की रकम ली, विजिलेंस टीम ने तीनों को रंगे हाथ पकड़ लिया। मौके से पूरी रकम भी बरामद की गई।

विजिलेंस की टीम ने आरोपियों को गोमतीनगर प्राधिकरण ऑफिस के बाहर से गिरफ्तार किया।

जेई ने मकान का निर्माण रुकवाने की धमकी दी

विजिलेंस टीम के मुताबिक, शिकायतकर्ता ने पुलिस अधीक्षक, उत्तर प्रदेश सतर्कता अधिष्ठान के लखनऊ सेक्टर में शिकायत की थी। इसमें बताया था कि विकास प्राधिकरण के जेई दिनेश कुमार वर्मा उसके निर्माणाधीन मकान पर पहुंचे। उसे धमकाते हुए कहा कि मकान का निर्माण बंद करा दो।

शिकायतकर्ता को बताया गया कि उसके मकान निर्माण को लेकर IGRS पोर्टल पर शिकायत मिली है। इस मामले को खत्म कराने के लिए उसे LDA कार्यालय बुलाया गया।

पहले 15 लाख मांगे, 7.50 लाख में मामला तय हुआ

शिकायतकर्ता के अनुसार, LDA ऑफिस पहुंचने पर JE दिनेश कुमार वर्मा और सुपरवाइजर चंद्र प्रकाश ने उससे 15 लाख रुपए की रिश्वत मांगी। रकम नहीं देने पर निर्माण के खिलाफ कार्रवाई की बात कही गई। शिकायतकर्ता ने इतनी रकम देने से मना किया तो सौदा घटकर 7.50 लाख रुपए में तय हुआ।

विजिलेंस टीम जेई और सुपरवाइजर को पकड़ने के लिए पहले ही एलडीए ऑफिस में मौजूद थी।

गाय 1 मिनट तक बच्ची को रौंदती रही सींग से दबाया

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के अर्जुनगंज में घर के बाहर खेल रही बच्ची पर गाय ने हमला कर दिया। इसका CCTV सामने आया है। इसमें पहले गाय बच्ची को सींग से दीवार पर दबाती, फिर जमीन पर पटक देती है। इसके बाद 1 मिनट तक उसे चारों पैरों से उछाल-उछालकर रौंदती है।

शोर सुनकर आए लोगों ने किसी तरह से उसे बचाया। इसके बाद बच्ची को गंभीर हालत में सिविल हॉस्पिटल में सुबह 10 बजे एडमिट कराया। जहां बच्ची का इलाज चल रहा है। बच्ची का नाम सुनैना है। वह सरसवां कॉलोनी के रहने वाले सिनोद कुमार की बेटी है। उसकी उम्र 5 साल है और क्लास फर्स्ट की छात्रा है। सिनोद मजदूरी करके बेटी को पढ़ा रहे हैं। घर वालों का कहना है कि बच्ची स्कूल से आने के बाद खेल रही थी। इसी दौरान वहां गायों का झुंड आ गया। इसमें से एक गाय अचानक बच्ची को मारना शुरू कर दिया।

गाय के हमले के दौरान बच्ची की चीख सुनकर आसपास के लोग दौड़कर आ गए। डंडों और पत्थर से गाय को भगाने की कोशिश की। काफी मशक्कत के बाद गाय भागी। सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि गाय ने हांकने के लिए आने वालों में से एक युवक को भी दौड़ा लिया।

घायल बच्ची के चाचा बिन्नू ने बताया कि यहां पर गाय मारती ही नहीं, काटती भी है। लोग गाय को दूध के लिए सिर्फ पालते हैं। उसे दूध निकालने के बाद छुट्टा छोड़ देते हैं। मोहल्ले में दूसरे बच्चों को भी गाय दौड़ा चुकी है।

फास्ट न्यूज

रेलवे कर्मचारी ने लगाई फांसी

लखनऊ। लखनऊ के आलमबाग में रेलवे कर्मचारी ने फांसी लगाकर जान दे दी। युवक अपनी गर्लफ्रेंड से वीडियो कॉल पर बात कर रहा था। इसी दौरान उसने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। युवक को फंदे पर लटकता देख युवती ने परिजनों को सूचना दी। परिजन मौके पर पहुंचे और दरवाजा तोड़कर युवक को फंदे से नीचे उतारा। इसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

दुबग्गा में खजूर पैकिंग फैक्ट्री के बेसमेंट में भीषण आग

दुबग्गा। लखनऊ के दुबग्गा थाना क्षेत्र में शनिवार दोपहर करीब 12 बजे एक खजूर पैकिंग फैक्ट्री के बेसमेंट में भीषण आग लग गई। यह फैक्ट्री मछली मंडी के पास यूनिटी कॉलेज के निकट स्थित है। आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल की 6 गाड़ियां और पुलिस मौके पर पहुंची। बेसमेंट से धुएं का घना गुबार उठता देख इलाके में हलचल मच गई। सूचना पर कई दमकल गाड़ियां तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गईं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। दमकलकर्मियों को आग को पूरी तरह बुझाने में करीब 1 घंटा लग गया।

दरोगा पर युवती ने लगाए यौन शोषण के आरोप

लखनऊ। लखनऊ के आशियाना थाने में तैनात दरोगा धर्मवीर शाही पर एक युवती ने यौन शोषण, मारपीट और धमकी देने के आरोप लगाए हैं। युवती का आरोप है कि दरोगा ने केस की जांच में मदद करने का भरोसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद वह उससे लगातार मिलने-जुलने लगा। पीड़िता ने शनिवार को DCP सेंट्रल को नामजद शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है।

बदल जाएगा आपकी गाड़ी की आरसी का सिस्टम

वाहन स्वामियों को मिलेगी अब हाईटेक स्मार्ट आरसी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार 1 अगस्त से कागज वाली RC (रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट) की जगह एक नई व्यवस्था लागू करने जा रही है। अब आपको अपनी गाड़ी के लिए मिलेगी एकदम नई और हाईटेक 'स्मार्ट आरसी'।

कैसा होगा लुक: यह नई RC बिल्कुल आपके ATM कार्ड जैसी होगी, जिसे अपने वॉलेट में कैरी करना बेहद आसान होगा।

क्या है खास: इसमें एक स्मार्ट चिप और QR कोड इनबिल्ट होगा। इसकी मदद से किसी भी वाहन का वेरिफिकेशन डिजिटली और बहुत जल्दी हो सकेगा।

पुरानी गाड़ियों के लिए भी सुविधा: अगर आपकी गाड़ी पुरानी है, तो भी आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है! आप भी ऑनलाइन तय फीस जमा करके अपनी कागज वाली RC को नई 'स्मार्ट आरसी' में बदलवा सकते हैं। नए वाहनों की खरीद पर तो अब स्मार्ट आरसी ही मिलेगी।

विश्व हिंदू रक्षा परिषद का सांसद के खिलाफ प्रदर्शन, कहा- पैगंबर के खिलाफ बोलकर देख ले

पप्पू यादव की तस्वीर को चप्पल मारी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में विश्व हिंदू रक्षा परिषद के पदाधिकारियों-कार्यकर्ताओं ने पूर्णिया सांसद पप्पू यादव के खिलाफ प्रदर्शन किया। उन्होंने सांसद की तस्वीर को चप्पल मारी। सनातन का अपमान करने का आरोप लगाया। मांग रखी कि पप्पू यादव पर रासुका लगाकर जेल भिजवाया जाए।

विश्व हिंदू रक्षा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय और पदाधिकारी आक्रोश मार्च निकालने वाले थे। गोमतीनगर कार्यालय से पप्पू यादव का पुतला लेकर विधानसभा के सामने दहन करने के लिए निकले। लेकिन, पुलिस ने कार्यकर्ताओं को कार्यालय से 50 मीटर की दूरी पर रोक लिया।

उसने पुजारियों का और सनातनियों का अपमान किया है। विश्व हिंदू रक्षा परिषद उसकी मानसिकता को समाप्त करेगी। हमारे साधु-संतों का अपमान किया। इसके अंदर इतनी ताकत है तो पैगंबर के खिलाफ बोलकर देखे। शाम तक उसका सिर कलम हो जाएगा। हमारी प्रधानमंत्रीजी से मांग है कि इस पर रासुका लगाया जाए। इसे आजीवन कारावास दिया जाए। ऐसे देशद्रोहियों को संसद में रहने का कोई अधिकार नहीं है।

> परिषद के राष्ट्रीय संगठन मंत्री मधुकर ने कहा- हम लोग पप्पू यादव के पुतले को विधानसभा के पास फूंकेंगे। पप्पू यादव ने जो हरकत की, वह शर्मनाक है। इसकी सजा सरकार को उन्हें देनी चाहिए। उन्होंने आतंकवादियों की तरह काम किया है।

गोपाल बोले- पैगंबर के खिलाफ टिप्पणी करके देख ले

गोपाल राय ने कहा- पप्पू यादव ने सनातन धर्म के खिलाफ जो टिप्पणी की है, यही टिप्पणी वह पैगंबर के खिलाफ कर दे। अगर उसका सिर तन से न जुदा हो जाए तो कहना। पप्पू यादव अगर उस टिप्पणी के बाद बचा रह गया तो विश्व हिंदू रक्षा परिषद उसके नतमस्तक हो जाएगा। उसने सनातन को नुकसान पहुंचाया है। विधायक की हत्या सहित 41 मुकदमे उसके ऊपर हैं, तब इस तरह की बात कर रहा है। संसद के बाहर इस तरह के काम कर रहा है जिसे विश्व हिंदू रक्षा परिषद माफ नहीं करेगी।

विश्व हिंदू रक्षा परिषद के कार्यकर्ताओं ने भगवा झंडे लेकर पप्पू यादव के खिलाफ नारेबाजी की।

दस दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण शुरू

एस आई आर डी में विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा दिया जा रहा है प्रशिक्षण

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व व निर्देशन में, दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बख्शी का तालाब में सरकारी, अर्धसरकारी विभागों, संस्थाओं के अधिकारियों व कर्मचारियों तथा रचनात्मक कार्यों से जुड़े लोगों को प्रशिक्षण देकर उन्हें अत्यधिक दक्ष और सक्षम बनाने का कार्य निरंतर किया जा रहा है। इसी कड़ी में उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन: उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन एवं राज्य ग्रामीण विकास संस्थान लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में मॉडल संकुल स्तरीय संघ के एमआईएस सहायक एवं लेखाकार का दस दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण शनिवार को ग्राम्य विकास संस्थान बख्शी का तालाब में शुरू हुआ। अरुण कुमार, मिशन निदेशक, उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के निर्देशन में आयोजित इस प्रशिक्षण का उद्देश्य मॉडल संकुल स्तरीय संघ के कैडर को तकनीकी और वित्तीय रूप से सक्षम बनाना है।

अगले छह दिन तकनीकी सत्र में सभी प्रकार के बही खाते, ऋण प्रबंधन, वित्त प्रबंधन, वित्तीय मानक, वित्तीय विवरण, अंकेक्षण नीति, वैधानिक अनुपालन, आंतरिक नियंत्रण एवं निगरानी के विभिन्न उपकरणों के बारे में विस्तृत प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके साथ ही प्रतिभागियों को मोबाइल एप एवं पोर्टल पर आंकड़ों की प्रविष्टि, मासिक प्रगति रिपोर्ट, समूह, ग्राम संगठन एवं संकुल स्तरीय संघ के अभिलेखों का ऑनलाइन रखरखाव, कार्यसूची, सदस्यता रजिस्टर एवं प्रस्ताव पारित करने की प्रक्रिया भी सिखाई जाएगी।

> सत्र का उद्घाटन क्षेत्रीय ग्रामीण विकास संस्थान के आचार्य श्री अनुज कुमार श्रीवास्तव जी ने किया। सत्र प्रभारी डॉक्टर सीमा जी, मिशन मुख्यालय से आए डॉ नन्दकिशोर साह, प्रशिक्षण के संसाधन व्यक्ति मोरिस कुमार एवं जिला संसाधन व्यक्ति राघवेंद्र कुमार सिंह उपस्थित रहे। संत रविदास नगर, प्रयागराज, सिद्धार्थनगर और औरैया जनपदों से प्रतिभागी प्रशिक्षण में शामिल हुए। डॉ नंदकिशोर साह ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए बताया कि यह दस दिन का प्रशिक्षण दो भागों में विभाजित है।

प्रथम चार दिन आधारभूत पाठ्यक्रम में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की जानकारी, संकुल स्तरीय संघ क्या है, संकुल स्तरीय संघ की नीति, मॉडल संकुल स्तरीय संघ के मानक, संकुल स्तरीय संघ की संरचना और संकुल स्तरीय संघ का पांच वर्षीय विजन शामिल है।

लखनऊ में किसानों का प्रदर्शन, बराबर मुआवजे की मांग

बख्शी का तालाब लखनऊ में नैमिष नगर योजना के तहत भूमि अधिग्रहण के खिलाफ किसानों का विरोध प्रदर्शन तेज हो गया है। शनिवार को लगभग 300 किसानों ने बख्शी का तालाब तहसील पहुंचकर प्रदर्शन किया और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। किसान अधिग्रहित की जा रही जमीन के लिए एक बराबर सर्किल रेट पर मुआवजे की मांग कर रहे हैं।

किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द सहमति नहीं बनती है, तो वे 15 अगस्त से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर देंगे। प्रदर्शन में शामिल महिला किसानों ने भी सरकार से अपील की कि बाजार मूल्य के अनुरूप मुआवजा दिए बिना जबरन भूमि अधिग्रहण की कार्रवाई न की जाए। प्रदर्शन के दौरान किसानों ने एडीएम राजकुमार मित्तल को एक ज्ञापन सौंपा। इसमें मांग की गई कि योजना से प्रभावित सभी 18 गांवों की अधिग्रहित भूमि का मुआवजा समान सर्किल रेट के आधार पर तय किया जाए।

सीएम योगी की प्रेरणा से बड़े उद्यमी गो संरक्षण से जुड़ रहे

देसी गायों के दूध पर आधारित उत्पादों की देश-विदेश में बढ़ी मांग

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की गो संरक्षण नीति ने उत्तर प्रदेश में गो सेवा को रोजगार और उद्यमिता के नए मॉडल में बदल दिया है। यह व्यवस्था अब स्वरोजगार, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और करोड़ों के कारोबार का मजबूत आधार बन रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रेरणा से बड़े उद्यमी, इंजीनियर, सामाजिक संस्थाएं व अन्य लोग भी गो संरक्षण के क्षेत्र में उतर कर देसी गायों पर आधारित उत्पादों के जरिए नई आर्थिक संभावनाएं तैयार कर रहे हैं। यही कारण है कि प्रदेश में गो सेवा के साथ रोजगार का नया रास्ता खुला है।

प्रदेश में देसी गायों के पंचगव्य, आयुर्वेदिक औषधियों, जैविक उत्पादों और पारंपरिक खाद्य सामग्री की मांग लगातार बढ़ी है। इन उत्पादों का बाजार अब केवल अपने प्रदेश या देश तक सीमित नहीं है, बल्कि अमेरिका, कनाडा, यूनाइटेड किंगडम, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, सिंगापुर, दुबई और यूरोप के कई देशों तक फैल चुका है। गो आधारित उद्योगों के विस्तार से बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार मिला है और ग्रामीण क्षेत्रों में आय के नए स्रोत तैयार हुए हैं।

उत्तर प्रदेश में गो संरक्षण को लेकर सरकार की नीति ने इस क्षेत्र की तस्वीर बदल दी है।

- योगी सरकार की गो संरक्षण नीति से निकला गो सेवा के साथ रोजगार का नया रास्ता
- यूपी की देसी गायों के जरिए विदेशों तक फैला करोड़ों का कारोबार, बड़े पैमाने पर मिल रहा रोजगार

अभियान : बेसिक-माध्यमिक शिक्षा विभाग में 22 दिनों में 5.23 लाख से अधिक शिक्षक-कार्मिकों ने पूरी की ई-केवाईसी

मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना को मिली रिकॉर्ड रफ्तार

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की स्वास्थ्य सुरक्षा को नई मजबूती देते हुए मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना के क्रियान्वयन में रिकॉर्ड गति हासिल की है। 8 जुलाई को वाराणसी से बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग के लिए योजना के शुभारंभ के मात्र 22 दिनों में लगभग 42 प्रतिशत पात्र शिक्षक-कार्मिकों की ई-केवाईसी पूरी कर ली गई है। इसी क्रम में 26 जुलाई को आगरा से उच्च शिक्षा विभाग के लिए योजना शुरू होने के मात्र चार दिनों में ही लगभग 47 प्रतिशत पात्र लाभार्थियों का ई-केवाईसी पूरा हो चुका है। ई-केवाईसी पूर्ण होने के बाद लाभार्थियों को सूचीबद्ध चिकित्सालयों में कैशलेस उपचार की सुविधा उपलब्ध होगी। विधानसभा के शीतकालीन सत्र में 20 फरवरी 2026 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की घोषणा की थी। इसके बाद प्रदेश सरकार ने योजना का प्रारूप, पोर्टल, सूचीबद्ध अस्पतालों की व्यवस्था तथा अन्य विभागीय तैयारियां समयबद्ध ढंग से पूरी कीं। घोषणा के मात्र 138 दिनों के भीतर 8 जुलाई को वाराणसी से मुख्यमंत्री ने बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग के लिए मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना का शुभारंभ कर दिया।

42% शिक्षक-कार्मिकों की पूरी हुई ई-केवाईसी

उच्च शिक्षा विभाग में शुभारंभ के मात्र चार दिनों में लगभग 47% लाभार्थियों का हुआ ई-केवाईसी तीनों शिक्षा विभागों के 12.89 लाख पात्र लाभार्थियों को योजना से जोड़ने के लिए मिशन मोड में अभियान

मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा सुविधा योजना से जुड़ चुके

तीनों शिक्षा विभागों के कुल 12,89,018 पात्र शिक्षक-कार्मिकों में से 5,40,878 शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी और उनके आश्रित ई-केवाईसी पूरी कर मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा सुविधा योजना से जुड़ चुके हैं। योजना का उद्देश्य प्रदेश के शिक्षा परिवार को सुदृढ़ स्वास्थ्य सुरक्षा कवच उपलब्ध कराना है। यही कारण है कि सरकार इसे मिशन मोड में लागू करते हुए कम समय में अधिकतम पात्र लाभार्थियों को योजना से जोड़ने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है।

बेसिक शिक्षा विभाग में सबसे अधिक लाभार्थियों ने पूरी की प्रक्रिया

बेसिक शिक्षा विभाग में योजना के अंतर्गत 11,03,464 पात्र शिक्षक-कार्मिकों को शामिल किया गया है। इनमें से अब तक 4,57,390 लाभार्थियों ने ई-केवाईसी पूरी कर ली है। विभागीय स्तर पर प्रत्येक जनपद में अभियान की नियमित समीक्षा की जा रही है ताकि सभी पात्र शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी और उनके आश्रित समयबद्ध रूप से योजना से जुड़ सकें।

स्वयं सहायता समूहों की शक्ति से सशक्त हो रहा ग्रामीण उत्तर प्रदेश

राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बना महिलाओं की आत्मनिर्भरता का मजबूत आधार

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने के लिए पिछले वर्षों में अनेक ऐतिहासिक एवं दूरदर्शी कदम उठाए गए हैं। "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास" के मूल मंत्र के साथ केंद्र एवं राज्य सरकार समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व व निर्देशन में उत्तर प्रदेश में ग्राम्य विकास विभाग द्वारा महिलाओं के आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण की दिशा में व्यापक स्तर पर कार्य किया जा रहा है। दीनदयाल अन्त्योदय योजना–राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआर-एलएम) के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर, स्वावलंबी एवं आर्थिक रूप से मजबूत बनाने का अभियान निरंतर आगे बढ़ रहा है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के अन्त्योदय के विचार और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के राष्ट्र निर्माण के सपनों को आधार बनाकर संचालित यह मिशन ग्रामीण गरीब परिवारों की महिलाओं को संगठित कर उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ रहा है। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2013 से संचालित यह मिशन आज ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने वाला महत्वपूर्ण माध्यम बन चुका है।

मिशन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण गरीब परिवारों की कम से कम एक महिला सदस्य को स्वयं सहायता समूहों से जोड़कर उन्हें स्वरोजगार, कौशल विकास, वित्तीय सहायता एवं उद्यमिता के अवसर उपलब्ध कराना है। इसके अंतर्गत महिलाओं को न केवल संगठित किया जा रहा है, बल्कि उन्हें आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और आर्थिक निर्णय लेने की शक्ति भी प्रदान की जा रही है।

प्रदेश के सभी 75 जनपदों एवं 826 विकास खण्डों में संचालित इस अभियान के अंतर्गत वर्तमान में लगभग 1 करोड़ 19 लाख से अधिक ग्रामीण परिवारों की महिलाओं को 10 लाखसे अधिक स्वयं सहायता समूहों, 66 हजार से अधिक ग्राम संगठनों तथा 3298 संकुल स्तरीय संघों से जोड़ा जा चुका है।

गर्लफ्रेंड ने सुसाइड कर लिया था, मां का आरोप- अधिकारियों से संबंध बनाने को कहता था

जौनपुर में नायब तहसीलदार पर यौन-उत्पीड़न की एफआईआर

एसपी ग्रामीण आतिश कुमार सिंह ने बताया-केराकत में तैनात नायब तहसीलदार विवेक श्रीवास्तव के खिलाफ कई धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले की जांच मीरगंज थाना प्रभारी को सौंपी गई है।

मुकदमा

तमसा संकेत, एजेंसी

महिला की मां ने आरोपी नायब तहसीलदार पर एफआईआर दर्ज कराई है।

जौनपुर । यूपी के जौनपुर में नायब तहसीलदार पर शादी का झांसा देकर यौन उत्पीड़न-आत्म-हत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज हुआ है। महिला की मौत के 5 महीने बाद मां की शिकायत पर गुरुवार रात मुकदमा दर्ज किया गया।

मां ने आरोप लगाया-नायब तहसीलदार ने शादी का झांसा देकर बेटी से संबंध बनाए, फिर साथी अफसरों से संबंध बनाने का दबाव डालने लगा। मानसिक प्रताड़ना से परेशान होकर बेटी ने जान दे दी। मामला जिला मुख्यालय से 55 किमी दूर मीरगंज थाना क्षेत्र का है। आरोपी नायब तहसीलदार वर्तमान में केराकत तहसील में तैनात है। महिला ने 9 मार्च, 2026 को मायके में जान दे दी थी।

एडीएम परमानंद झा ने कहा-पीड़ित पक्ष ने नायब तहसीलदार के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। जांच हो रही है। जांच में अगर सही पाया जाएगा तो कार्यवाही की जाएगी।

'बेटी को टॉर्चर करता, तंग आकर जान दी'

मां का आरोप है कि विवेक ने बेटी से कहा कि वह पति से तलाक ले ले, फिर दोनों शादी कर लेंगे। उस समय विवेक अविवाहित था। उसके कहने पर बेटी ने डेढ़ साल पहले पति से तलाक के लिए कोर्ट में केस दाखिल कर दिया। इस दौरान विवेक का उसके कमरे पर आना-जाना और साथ घूमने जाना जारी रहा। एक साल पहले विवेक का तबादला जौनपुर के मछलीशहर में नायब तहसीलदार के पद पर हो गया। बेटी 15-20 दिन के अंतराल पर उससे मिलने जाती थी। शुरुआत में सब ठीक रहा, लेकिन बाद में विवेक ने उसे प्रताड़ित करना शुरू कर दिया।

मां बोली- बेटी को शादी का झांसा देकर फंसाया

मीरगंज के एक गांव की रहने वाली महिला ने गुरुवार को पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उन्होंने 2014 में बेटी की शादी बरसठी के एक गांव में की थी। शादी के बाद बेटी को एक बेटी हुई, जिसकी उम्र 10 साल है। बेटी का पति सूरत में नौकरी करता था। दो साल पहले 2024 में उनकी बेटी अपनी बच्ची के साथ सुल्तानपुर शिफ्ट हो गई।

सुल्तानपुर में उसकी बड़ी बहन रहती थी। बेटी किराए पर कमरा लेकर रहने लगी। इसी दौरान उसकी जान पहचान सुल्तानपुर के गोरा बारीक गांव निवासी विवेक श्रीवास्तव से हुई। उस वक्त विवेक राजस्व विभाग में कानूनगो था। बाद में प्रमोट होकर नायब तहसीलदार बन गया। विवेक और बेटी की धीरे-धीरे नजदीकियां बढ़ गईं। विवेक बेटी के कमरे पर आने लगा। आरोप है कि उसने शादी का झांसा देकर उसे अपने प्रेमजाल में फंसा लिया। इसके बाद पति से संबंध खराब करने के लिए बेटी को उकसाया।

मऊ में साइबर फ्रॉड गिरोह का भंडाफोड़, 5 आरोपी गिरफ्तार

चोरी के 23 मोबाइल बरामद, साइबर ठगी में करते थे इस्तेमाल

तमसा संकेत, एजेंसी

- मोबाइल चोरी की शिकायतों के बाद चला अभियान
- चोरी के मोबाइल से करते थे साइबर ठगी

मऊ । मऊ में मोहम्मदाबाद गोहना पुलिस और साइबर सेल ने अंतरराज्यीय साइबर फ्रॉड गिरोह का पर्दाफाश करते हुए 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया।

गिरोह के सदस्य विभिन्न जिलों से मोबाइल फोन चोरी कर उनका इस्तेमाल साइबर ठगी के लिए करते थे। गिरफ्तार आरोपियों में तीन बालिग और दो नाबालिग शामिल हैं। पुलिस ने शनिवार शाम करीब 4 मामले का खुलासा किया।

सीओ सिटी नितेश कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस को लगातार मोबाइल चोरी और साइबर धोखाधड़ी की शिकायतें मिल रही थीं। इसके बाद मोहम्मदाबाद गोहना पुलिस और साइबर सेल ने संयुक्त अभियान चलाया, जिसमें गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में कई महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आई हैं, जिनकी जांच जारी है। पुलिस के अनुसार, आरोपी भीड़भाड़ वाले स्थानों, बाजारों और सार्वजनिक आयोजनों से मोबाइल फोन चोरी करते थे। इसके बाद मोबाइल में मौजूद सिम कार्ड, बैंकिंग एप और अन्य डिजिटल माध्यमों का दुरुपयोग कर साइबर ठगी की वारदातों को अंजाम देते थे। प्रारंभिक जांच में गिरोह के लंबे समय से कई जिलों और राज्यों में सक्रिय होने की बात सामने आई है।

फास्ट न्यूज

आगरा के एकलव्य स्टेडियम से राष्ट्रीय खिलाड़ी लापता

आगरा । आगरा के एकलव्य स्पोर्ट्स स्टेडियम के हॉस्टल से राष्ट्रीय स्तर के टेबल टेनिस खिलाड़ी वंश सिंह के लापता होने का मामला सामने आया है। घटना के बाद खेल विभाग और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। हॉस्टल के सीसीटीवी कैमरे बंद मिलने और परिजनों द्वारा एक अधिकारी व कर्मचारी पर मारपीट का आरोप लगाए जाने से मामला और गंभीर हो गया है।

नगर निगम जोन-1 ऑफिस में पार्षदों का धरना

कानपुर । कानपुर के नगर निगम के जोन-1 सिविल लाइन कार्यालय में शनिवार शाम 4 बजे बीजेपी, सपा और कांग्रेस के पार्षद धरने पर बैठ गए। जनता की समस्याओं और विकास कार्यों में हो रही देरी के विरोध पार्षद एक साथ धरने पर बैठे जहां आर्यनगर से सपा विधायक अमिताभ बाजपेई भी पहुंच गए। सभी पार्षदों ने संयुक्त रूप से मुख्य अभियंता को ज्ञापन सौंपकर जोन-1 के अधिशासी अभियंता आलोक श्रीवास्तव पर विकास कार्यों में लापरवाही किए जाने का आरोप लगाया।

शराब ठेकों के विरोध में महिलाओं का प्रदर्शन

खंदौली, आगरा । आगरा में शनिवार को खंदौली थाना क्षेत्र के उस्मानपुर गांव में शराब के ठेकों के विरोध में महिलाओं और बच्चों का प्रदर्शन दूसरे दिन भी जारी रहा। सुबह से ही करीब 40 से 50 महिलाएं और बच्चे गांव में स्थित अंग्रेजी और देसी शराब के ठेकों के बाहर एकत्र हो गए। प्रदर्शन के दौरान महिलाओं ने विरोध जताते हुए ठेकों के बाहर हंगामा किया और वहां लगे साइन बोर्ड तथा होर्डिंग्स को नुकसान पहुंचाया।

कुशीनगर में तीन बहनों की डूबकर मौत उम्र 11 से 13 साल

मां रोते-रोते बेहोश, पुल की रेलिंग पर बैठकर खेल रही थीं

तमसा संकेत, एजेंसी

कुशीनगर । कुशीनगर में 3 मासूम बहनों की नाले में डूबने से मौत हो गई। तीनों शुक्रवार शाम 5 बजे गांव के बाहर सिधरिया नाले की पुलिया पर बैठी थीं। 8 साल का भाई पास में ही साइकिल चला रहा था।

अचानक बैलेंस बिगड़ने से तीनों गहरे और तेज बहाव वाले नाले में गिर गईं। यह देखकर भाई चिल्लाने लगा। आसपास कोई नहीं दिखा तो भागकर गांव पहुंचा। लोगों को हादसे की जानकारी दी।

इसके बाद ग्रामीण और मछुआरे तुरंत मदद के लिए मौके पर जुटे। पुलिस और एसडीआरएफ को सूचना दी गई। सर्च ऑपरेशन चलाया गया। करीब 14 घंटे बाद शनिवार सुबह 7 बजे पुलिया से 300 मीटर दूर तीनों के शव बरामद किए। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना जिला मुख्यालय से 13 किलोमीटर दूर नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र के दुबौली गांव की है। बच्चियों की मौत के बाद परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। मां रोते-रोते बेहोश हो गई। पड़ोसी महिलाओं ने उन्हें संभाला।

दुबौली गांव के रहने वाले शंभू चौहान (42) टाइल्स लगाने का काम करते हैं। परिवार में पत्नी सुभावती देवी (45), बेटियां वंदना (22), विनीता (15), सपना (13), शिवानी (11) और बेटा पवन (17) के साथ रहते हैं। सपना कक्षा 7 और शिवानी कक्षा 6 में पढ़ती थी।

बगल में शंभू के भाई रंजित चौहान (39) रहते हैं।

हाथ जोड़कर बोली- मैं 15 साल की हूं, गलती पर शर्मिंदा हूं, नोएडा में दर्ज हुई थी एफआईआर

पीएम मोदी को गाली देने वाली लड़की ने माफी मांगी

तमसा संकेत, एजेंसी

नोएडा। दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के प्रदर्शन में पीएम मोदी को गाली देने वाली नोएडा की लड़की ने माफी मांग ली है। हाथ जोड़ते हुए उसने कहा- मैंने जो किया, वह माफी के लायक नहीं था। मैं सिर्फ 15 साल की हूं। यह मेरी पहली और आखिरी गलती है। मैं दोबारा ऐसा नहीं करूंगी। मुझे अपने किए पर शर्मिंदगी है। मैं किसी से नजर नहीं मिला पा रही हूं। प्लीज, मुझे माफ कर दीजिए। नाबालिग ने कहा-मैं अपने दोस्तों के साथ कनॉट प्लेस गई थी, जहां प्रदर्शन चल रहा था। वहां कई समूह पीएम मोदी को गालियां दे रहे थे। मैं उनके बहकावे में आ गई और मैंने भी कुछ गलत बातें कह दीं।

दरअसल, शुक्रवार देर रात पीएम ने इंस्टाग्राम पर वीडियो जारी किया था। इसमें उन्होंने कहा था- यह एक कल्चरल शॉक जैसा है कि हमारी बेटियां इस प्रकार की भाषा का इस्तेमाल कैसे कर सकती हैं। ये गुमराह बच्चे हैं, इन्हें राह दिखाने का समय है। इन्हें माफ करना चाहता हूं। पीएम के इस बयान के कुछ घंटे बाद ही नाबालिग का माफी वाला वीडियो सामने आया। इस बीच, कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने पूछा, 'क्या सरकार केस भी वापस लेगी।' नाबालिग की मां ने भी पीएम मोदी से माफी मांगी थी। कहा था- वह पहले ही पुलिस थाने में अपना माफीनामा सौंप चुकी है। हमें बेटी के बयान पर बहुत अफसोस है।

पीएम ने कहा था- जंतर-मंतर पर मुझे गालियां दीं

पीएम मोदी ने कहा था- जंतर-मंतर पर कुछ शरारती बच्चों ने मुझे और मेरी मां को भद्दी-भद्दी गालियां दीं, लेकिन बचपन में गलतियां होती हैं। बचपन गलतियों को सुधारने का अवसर भी होता है। ये गुमराह बच्चे हैं, इन्हें राह दिखाने का समय है, इन्हें माफ करना चाहता हूं। उन्होंने कहा- वहां जो कुछ भी हुआ, उसे दुनिया ने देखा है। यह सभ्य समाज के लिए शोभा नहीं देता है। मैं समाज के अंदर मौजूद आक्रोश को भली-भांति समझ सकता हूं। उनको सजा देने से हम परिस्थितियां नहीं बदल पाएंगे। मैं आपके लिए जीता हूं, आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए खपता हूं, आप आगे बढ़िए।

गाजियाबाद की वकील ने केस दर्ज कराया था

मामला 23 जुलाई को जंतर-मंतर का है। छात्रों के प्रदर्शन के दौरान वीडियो में नाबालिग पीएम मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करते नजर आई थी। वीडियो सामने आने के बाद गाजियाबाद की वकील स्मृति सिंह चंदेल ने 30 जुलाई को उसके खिलाफ नोएडा के एक्सप्रेसवे थाने में शिकायत की थी। उन्होंने कहा था- मैं भी एक मां हूं। मैं नहीं चाहती कि हमारे बच्चे सोशल मीडिया पर ऐसी भाषा सुनें या उसे सामान्य मानकर उसका समर्थन करें। इसी कारण मैंने यह कानूनी कदम उठाया। हम हिंदुस्तान में रहते हैं और संस्कारों में पले-बढ़े हैं। हमें अपनी भाषा में मर्यादा और शालीनता बनाए रखनी चाहिए। स्मृति की शिकायत नोएडा पुलिस ने रुचिका सिंह के खिलाफ BNS की धारा 352, 353(1) और 356(1) में केस दर्ज किया था।

भाई ने नाबालिग बहन को काट डाला

दौड़ाकर बांके से गर्दन पर वार किए, 9 दिन पहले प्रेमी के साथ चली गई थी

वारदात

तमसा संकेत, एजेंसी

सीतापुर। यूपी के सीतापुर में भाई ने 17 साल की बहन की हत्या कर दी। बहन को दौड़ाकर गले पर बांके से हमला किया। वह घायल होकर जमीन पर गिर पड़ी। इसके बाद भी आरोपी ने कई वार किए। बेटी की चीख सुनकर मां दौड़कर पहुंची। उन्हें देखकर आरोपी भाई (22) भाग गया।

पुलिस जांच में पता चला है कि 9 दिन पहले नाबालिग लड़की गांव के ही रहने वाले प्रेमी के साथ चली गई थी। अगले दिन पुलिस ने उसे बरामद कर घरवालों को सौंपा था। इसी बात से भाई नाराज था। आज सुबह 7 बजे उसका बहन से इसी बात को लेकर झगड़ा हुआ। इसके बाद वारदात को अंजाम दिया। वारदात जिला मुख्यालय से 73 किमी दूर मथुरा थाना क्षेत्र की है।

बजेहरा गांव में राजाराम यादव रहते हैं। परिवार में पत्नी रामरानी, 3 बेटे लवकुश, सरवन और कोमल और दो बेटियां हैं। बड़ी बेटी की शादी हो चुकी है। राजाराम खेती-किसानी करते हैं। बेटा लवकुश बाहर जॉब करता है, जबकि सरवन किसी काम से लखनऊ गया था।

17 साल की सुमित्रा का गांव के लड़के अनुराग के साथ अफेयर चल रहा था। 22 जुलाई को वह उसके साथ घर से चली गई थी। परिजनों ने काफी तलाश की, लेकिन वह नहीं मिली। इसके बाद थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। परिवार को थाने बुलाकर लड़की सौंप दी। घर आने के बाद भी परिजन उससे नाराज थे। भाई कोमल उससे आए दिन झगड़ा कर रहा था। दोनों में कई बार कहासुनी हो चुकी थी।

'बेटी की मौत होने तक बांके से मारता रहा'

मां रामरानी ने बताया- शनिवार सुबह बेटा-बेटी झगड़ा कर रहे थे। मैंने दोनों को शांत कराया और बेटे कोमल को घर से बाहर भेज दिया। वह उस समय चला गया। जब मैं घर का काम करने लगी तो वह फिर गुस्से में आया और बेटी को पीटने लगा। बेटी उससे बचने के लिए घर के बाहर भागी तो उसने घर से बांका उठाया और उस पर हमला कर दिया। वह तब तक हमला करता रहा, जब तक उसकी मौत नहीं हो गई।

घटना के बाद गांव में हड़कंप मच गया और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल से सबूत जुटाए और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

यही वह जगह है, जहां आरोपी ने बहन की हत्या की। पुलिस ने घटनास्थल से सबूत जुटाए।

एसपी दुर्गेश सिंह ने बताया-अफेयर के विरोध में हत्या हुई है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें गठित की गई हैं। संभावित ठिकानों पर दबिश भी दी जा रही है। परिजनों और ग्रामीणों से भी पूछताछ की जा रही है।

कानपुर में मंदिर में लावारिस मिली 24 लाख की चांदी

बैग में ड्राई फ्रूट्स के नीचे रखी थी 10 किलो की 9 सिल्लियां

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर के फीलखाना इलाके में मंदिर के दरवाजे पर लावारिस हालत में एक बैग व दो कार्टून रखे मिलने से हड़कंप मच गया। जानकारी पर मौके पर पहुंची बैग लेकर थाने पहुंची, जिसमें ड्राई फ्रूट्स और कपड़ों के नीचे 24 लाख की रूपए की 9 चांदी की सिल्लियां मिलीं। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ कर बैग के बारे में जानकारी जुटाई। जानकारी न मिलने पर पुलिस ने चांदी की सिल्लियां जब्त कीं।

फीलखाना इंस्पेक्टर अभय नारायण सिंह ने बताया कि थाने से चंद कदम की दूरी पर गीता मंदिर स्थित है। शुक्रवार रात करीब 11 बजे मंदिर के चबूतरे पर एक बैग व दो कार्टून लावारिस हालत में रखे हुए थे। काफी देर तक कोई बैग लेने नहीं पहुंचा तो संदिग्ध वस्तु की आशंका होने के चलते इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और बैग के बारे में पूछताछ शुरू की। हालांकि इस दौरान कोई भी बैग पर अपना दावा पेश करने नहीं पहुंचा, जिसके बाद पुलिस बैग को थाने ले गई। पुलिस ने जब बैग खोलकर देखा तो उसमें ऊपर काजू, बादाम, कपड़े रखे हुए थे। वहीं नीचे की ओर 10 किलो की 9 चांदी की सिल्लियां रखी मिलीं, जिनकी कीमत 24 लाख बताई गई। वहीं लावारिस हालत में मिले कार्टून में पोछा लगाने की मशीन व अन्य सामान मिला।

पृष्ठ 01 का शेष...

कुलगाम आतंकी...

पुलिस को यह जानकारी मौके पर मौजूद दूसरे मजदूरों ने दी। दोनों मृतक छत्तीसगढ़ के रहने वाले थे।

ये हत्याएं पहलगाम जैसे पैटर्न पर की गईं। 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में आतंकी हमला हुआ था। इसमें आतंकियों ने 26 पर्यटकों को उनका धर्म पूछकर मार दिया था।

छात्रों को पीएम की माफी की जरूरत नहीं : राहुल

राहुल गांधी ने चेन्नई के एक दिन के दौरान परिसीमन पर भी बात की। उन्होंने मीडिया से कहा, 'परिसीमन, तमिलनाडु के लोगों से मताधिकार छीनने की साजिश है। इससे तमिलनाडु को कमजोर किया जाएगा।'

उन्होंने इसे भाजपा की साजिश बताया। कहा, 'जो कोई भी परिसीमन का समर्थन करता है, वह तमिलनाडु के साथ गद्दारी कर रहा है। यह तमिलनाडु के भविष्य के साथ धोखा है।'

पहले एयरपोर्ट के...

अमरावती के एयरपोर्ट का नाम श्री अल्लूरी सीताराम राजू के नाम पर रखा है।' पीएम ने यहां भोगपुरम एयरपोर्ट समेत 18 हजार करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इसके बाद वह मैसूर गए।

यहां उन्होंने स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक युवा केंद्र, 'विवेक स्मारक' का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि भारत का युवा जो पहले जंजीरों में था आज आगे बढ़ रहा है। युवाओं की वजह से भारत आज दुनिया का सबसे बड़ा स्टार्टअप हब बन चुका है।

पीएम मोदी ने मैसूर में कहा कि कुछ देर पहले मैं उस भवन में भी गया था जहां स्वामी विवेकानंद जी ने समय बिताया था। आज हम उनकी परंपरा को विस्तार दे रहे हैं। व्यक्ति से विभूति का निर्माण एक दिन में नहीं होता। इसके लिए अनगिनत योगदान देना होता है। लेकिन तप के समय महान विभूति को पहचानना अहम है।

पीएम मोदी ने मैसूर में कहा कि आप सब जानते हैं मेरी यात्रा जहां से शुरू हुई उसमें रामकृष्ण मिशन का बहुत अहम योगदान है। मैं 3 महीने पहले हावड़ा में बेलूर मठ गया था। वहां भी मैंने मठ के गुरुओं का आशीर्वाद लिया।

पीएम ने कहा- आज चंद्रबाबू नायडू और पवन कल्याण के नेतृत्व में NDA की पूरी टीम आंध्र प्रदेश के लिए डबल स्पीड से काम कर रही है।

आंध्रप्रदेश में करीब 1 लाख करोड़ रुपए की रेल परियोजनाओं पर काम चल रहा है। राज्य के पूरे रेल नेटवर्क का इलेक्ट्रिफिकेशन हो चुका है। यहां 70 से ज्यादा रेलवे स्टेशनों को आधुनिक बनाया जा रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा- कुछ दिन पहले ही सरकार ने उड़ान योजना के दूसरे फेज की शुरुआत की है, इस पर भी 29 हजार करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे।

ई20 फ्यूल का...

E20 ईंधन की कीमत शुद्ध पेट्रोल से कम होनी चाहिए।

ग्लोबल स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें कम होने के कारण, पेट्रोल की खुदरा कीमत 84 रुपए प्रति लीटर से कम होनी चाहिए।

भारत में 20% एथेनॉल और 80% पेट्रोल के इस मिश्रण (E20) का विरोध हो रहा है। खासकर 2023 से पहले बनी पेट्रोल गाड़ियों के मालिक परेशान हैं। उनका दावा है कि इस फ्यूल से गाड़ियों का माइलेज कम हो रहा है, मेंटेनेंस का खर्च बढ़ गया है। इंजन के पार्ट्स जल्दी खराब हो रहे हैं।

इससे पहले AAP ने प्रधानमंत्री को संबोधित एक ऑनलाइन याचिका शुरू की थी, जिस पर दो लाख से अधिक लोगों ने हस्ताक्षर किए हैं। शनिवार के कार्यक्रम के बाद, वह प्रधानमंत्री आवास जाकर यह याचिका सौंपेंगे।

चढ़ावा चोरी का...

शुक्रवार को संसद के बाहर पप्पू यादव ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी को लेकर प्रदर्शन किया। इसमें पप्पू यादव पुजारी के वेश में दानपेटी लेकर पहुंचे। इसमें राहुल गांधी ने चंदा डाला था। इसके बाद 'चोरी पकड़े जाने' का नाटक करते हुए अवधेश प्रसाद समेत कई विपक्षी सांसदों ने पप्पू यादव की सांकेतिक पिटाई कर दी थी।

संत समाज ने इसे सनातन का अपमान बताते हुए विपक्ष के सांसदों से सिर झुकाकर माफी मांगने की मांग की थी। लखनऊ में सनातन रक्षा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुरोध राय ने चेतावनी देते कहा- पप्पू यादव के पापों का अंत हो गया है। सजा का समय आ गया है। राहुल गांधी और अखिलेश यादव भी सनातन विरोधी हैं। अगर इन लोगों ने माफी नहीं मांगी तो सनातन रक्षा संगठन जुबान खींचकर खूंटे से बांध देगा।

संगठन के सदस्य शैलेंद्र कुमार दीक्षित ने कहा- पप्पू यादव ने जो नौटंकी की है, इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वो जहां नजर आएगा, उसे गंजा कर चप्पल से पीटा जाएगा। कल जो कुछ भी हुआ, वह भगवान राम का अपमान है। वहां पर यह दर्शाने की कोशिश की गई थी कि राम मंदिर में सभी लोग चोर हैं।

मशहूर पर्वतारोही...

नेपाल और दुनियाभर के पर्वतारोहियों के बीच 'निम्स दाइ' के नाम से मशहूर निर्मल पुर्जा ने 2019 में 'प्रोजेक्ट पॉसिबल' की शुरुआत की थी।

उनका मकसद था दुनिया की 8,000 मीटर से ऊंची सभी 14 चोटियों को सिर्फ सात महीने में फतह करना। उस समय इसे लगभग असंभव माना जा रहा था। निर्मल पुर्जा ने यह कारनामा महज छह महीने और छह दिन में पूरा कर दिया। इसके साथ ही उन्होंने दक्षिण कोरिया के पर्वतारोही किम चांग-हो का करीब 8 साल पुराना विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया। निर्मल पुर्जा ने पहली बार ब्रॉड पीक को 2019 में प्रोजेक्ट पॉसिबल के दौरान फतह किया था। ब्रॉड पीक को दुनिया के सबसे मुश्किल पर्वतों में गिना जाता है। दूसरी बार इस चोटी को उन्होंने 2023 में फतह किया। तब उन्होंने बिना सप्लीमेंट ऑक्सीजन के चढ़ाई की थी। इस चढ़ाई की सबसे बड़ी खासियत यह थी कि उन्होंने पाकिस्तान की पांचों 8,000 मीटर से ऊंची चोटियां (नंगा पर्वत, गाशरब्रुम-2, गाशरब्रुम-1, ब्रॉड पीक और के2) सिर्फ 26 दिनों में फतह कर नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। निर्मल पुर्जा का जन्म 25 जुलाई 1983 को नेपाल के म्यागदी जिले के दाना गांव में हुआ था। उनके परिवार का सेना से गहरा नाता रहा है। कई पीढ़ियों से परिवार के लोग गोरखा रेजिमेंट में सेवा करते रहे।

उनके पिता और तीन बड़े भाई भी गोरखा सैनिक थे। ऐसे माहौल में पले-बढ़े निर्मल ने भी बचपन से ही सैनिक बनने का सपना देखा। बाद में उन्होंने इसी परंपरा को आगे बढ़ाया और ब्रिटिश सेना की गोरखा रेजिमेंट में भर्ती हो गए।

करीब छह साल तक गोरखा सैनिक के रूप में सेवा देने के बाद उन्होंने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की। वे ब्रिटिश रॉयल नेवी की स्पेशल बोट सर्विस (SBS) में शामिल होने वाले पहले नेपाली बने।

SBS ब्रिटेन की नौसेना की सबसे खतरनाक और प्रतिष्ठित स्पेशल फोर्स है। इसके सैनिक समुद्र, पहाड़, जंगल और दुश्मन के इलाके में सीक्रेट ऑपरेशन चलाने के लिए ट्रेंड होते हैं। इसमें चयन इतना मुश्किल है कि बहुत कम सैनिक इसे पूरा कर पाते हैं।

'आजादी का मतलब...

उन्होंने कहा था कि उन्हें हर बात के पीछे का तर्क समझाना चाहिए, न कि आदेश देना चाहिए। संवाद के जरिए ही उन्हें सही दिशा दिखाई जा सकती है। हम मनमानी करेंगे, शक्ति से सबके मालिक बनेंगे, ऐसा नहीं हो सकता।

जेन-जी यानी 1997-2012 के बीच जन्मी पीढ़ी डिजिटल युग में बड़ी हुई है। यह सोशल मीडिया, तेज सूचना और नेटवर्किंग का इस्तेमाल बेहतर करती है। यह पीढ़ी पारंपरिक तरीकों के बजाय क्रिएटिव और विजुअल तरीकों से अपनी बात रखने के लिए जानी जाती है।

जेवलिन में नीरज को सिल्वर और यशवीर को ब्रॉन्ज, भारत को कल 6 मेडल मिले

कॉमनवेल्थ में जूडो में 15 मिनट में अस्मिता और हर्ष गोल्ड जीते

शानदार

नई दिल्ली, एजेंसी

त्रिपुरा की 23 साल की अस्मिता डे ने फाइनल में शानदार वापसी करते हुए कनाडा की हेड्डी क्वाच को हराया। मुकाबले की शुरुआत में उन्होंने एक अंक गंवाया और पेनल्टी भी मिली, लेकिन आक्रामक खेल जारी रखते हुए स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। गोल्डन स्कोर में अस्मिता ने निर्णायक अंक हासिल कर इतिहास रच दिया।

कॉमनवेल्थ गेम्स में शुक्रवार को भारत ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। अस्मिता डे ने गेम्स के इतिहास में जूडो में देश को पहला गोल्ड दिलाया। इसके 15 मिनट बाद हर्ष सिंह ने दूसरा गोल्ड जीता। यामिनी मौर्य ने सिल्वर मेडल हासिल किया। जूडो में 3 मेडल आए।

देश के स्टार जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने सिल्वर मेडल जीता। उन्होंने 85.83 मीटर थ्रो किया। भारत के ही यशवीर सिंह ने 85.41 मीटर का पर्सनल बेस्ट प्रदर्शन करते हुए ब्रॉन्ज मेडल जीता। श्रीलंका के रुमेश पथिराजे ने 89.75 मीटर थ्रो के साथ गोल्ड मेडल हासिल किया।

एथलेटिक्स में तेजस्विन शंकर ने डेकाथलॉन इवेंट में ब्रॉन्ज जीतकर इतिहास रचा। वह कॉमनवेल्थ में इस इवेंट में मेडल जीतने वाले पहले भारतीय बने। ग्लासगो में चल रहे गेम्स के आठवें दिन भारत ने कुल 6 मेडल जीते। इनमें 2 गोल्ड, 2 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज शामिल रहे।

भारत ने गेम्स में अब तक 5 गोल्ड, 12 सिल्वर और 6 ब्रॉन्ज समेत 23 मेडल जीते हैं और मेडल टैली में 10वें स्थान पर है।

नीरज चोपड़ा ने 85.83 मीटर का थ्रो कर सिल्वर मेडल जीता। मुकाबले का सबसे बड़ा सरप्राइज यशवीर सिंह रहे। उन्होंने आखिरी में 85.41 मीटर थ्रो कर ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया।पाकिस्तान के ओलिंपिक चैंपियन अरशद नदीम टॉप-8 में भी जगह नहीं बना सके और तीन राउंड के बाद बाहर हो गए।

23 साल के हर्ष सिंह ने पुरुषों के 60 किग्रा वर्ग के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के जोशुआ काट्ज को वाजा-अरी (10-0) से हराया। चार मिनट तक चले मुकाबले में दोनों खिलाड़ियों को अंक नहीं मिले, लेकिन अंतिम मिनट में हर्ष ने निर्णायक दांव खेलकर बढ़त बनाई और गोल्ड अपने नाम कर लिया।

डेकाथलॉन में मेडल लाने वाले तेजस्विन पहले भारतीय

तेजस्विन शंकर 7976 अंकों के साथ डेकाथलॉन में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट बने। दो दिन तक चले इस इवेंट में उन्होंने तीसरा स्थान हासिल किया। इससे पहले तेजस्विन 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स में हाई जंप का ब्रॉन्ज भी जीत चुके हैं।

ग्रेनाडा के लिंडन विक्टर (8096 अंक) ने गोल्ड और डेमियन वार्नर (8036 अंक) ने सिल्वर जीता।

डेकाथलॉन में 10 अलग-अलग इवेंट्स होते हैं। हर इवेंट्स से मिले अंकों के आधार पर टोटल रैंकिंग बनती है। इस रैंकिंग के टॉप-3 प्लेयर्स को मेडल दिए जाते हैं।

डेकाथलॉन में 100 मीटर दौड़, लॉन्ग जम्प, शॉटपुट, हाई जम्प, 400 मीटर दौड़, 110 मीटर हर्डल, डिस्कस थ्रो, पोल वॉल्ट, जेवलिन थ्रो, 1500 मीटर दौड़ होते हैं।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 मेडल टैली

रैंक	देश	गोल्ड	सिल्वर	ब्रॉन्ज	कुल मेडल
1	ऑस्ट्रेलिया	55	30	43	128
2	इंग्लैंड	17	34	29	80
3	कनाडा	17	15	21	53
4	स्कॉटलैंड	10	8	16	34
5	नाइजीरिया	9	6	3	18
6	न्यूजीलैंड	7	10	8	25
7	सा. अफ्रीका	7	9	9	25
8	मलेशिया	7	3	3	13
9	वेल्स	6	6	12	24
10	भारत	5	12	6	23

विवाद : अब हॉकी इंडिया अध्यक्ष बोले बिना बताए कलर बदला

दो दिन पहले कहा था- मैदान और जर्सी के नीले रंग से खिलाड़ियों को परेशानी

नई दिल्ली। भारतीय हॉकी टीम की जर्सी का रंग नीला से नारंगी किए जाने पर विवाद गहरा गया है। अब हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने जर्सी का रंग बदलने पर फेडरेशन के अधिकारियों से लिखित जवाब मांगा है।

टिर्की का आरोप है कि यह फैसला उन्हें और एग्जीक्यूटिव बोर्ड की बिना मंजूरी के बिना लिया गया। ओडिशा सरकार ने भी टिर्की से इस मामले में स्पष्टीकरण मांगा है।

हाल ही में हॉकी इंडिया ने अगले महीने होने वाले हॉकी वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम की नई जर्सी लॉन्च की। इसके बाद कई पूर्व खिलाड़ियों और हॉकी से जुड़े लोगों ने इस बदलाव पर सवाल उठाए।

जर्सी लॉन्च होने के बाद गुरुवार को टिर्की ने बदलाव का बचाव किया था। उन्होंने लोगों से इस मुद्दे को राजनीतिक रंग नहीं देने की अपील की थी। टिर्की के मुताबिक, जर्सी का रंग बदलने का फैसला पूरी तरह 'टेक्निकल' है।

उनका कहना था कि अंतरराष्ट्रीय हॉकी अब नीले सिंथेटिक टर्फ पर खेली जाती है। ऐसे में मैदान और जर्सी दोनों के नीले होने से तेज खेल के दौरान खिलाड़ियों को अपने साथी खिलाड़ियों और गेंद को पहचानने में परेशानी हो सकती है। विवाद के बीच शुक्रवार को इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट में भारतीय टीम के एक खिलाड़ी के हवाले से कहा गया कि जर्सी में बदलाव को लेकर खिलाड़ियों से न तो राय ली गई और न ही सलाह मांगी गई।

हॉकी इंडिया ने कहा था- जर्सी के नए रंग के लिए अफसरों से सलाह ली

हॉकी इंडिया ने 27 जुलाई को भारतीय टीम की नारंगी रंग की नई जर्सी लॉन्च की। जर्सी का नीला रंग बदले जाने के बाद कई पूर्व खिलाड़ियों और हॉकी से जुड़े लोगों ने इसका विरोध किया था।

इस पर हॉकी इंडिया ने गुरुवार को कहा कि इस पर खिलाड़ियों और फेडरेशन के कुछ वरिष्ठ अधिकारियों से सलाह ली गई थी।

सभी आज फाइनल खेलेंगे, अब तक भारत ने 23 मेडल जीते, दिनभर में कुल 44 गोल्ड मेडल इवेंट्स होंगे

कॉमनवेल्थ में रिकॉर्ड दस भारतीय बॉक्सर गोल्ड रेस में

ग्लासगो, एजेंसी

कॉमनवेल्थ गेम्स के नौवें दिन रिकॉर्ड 10 भारतीय मुक्केबाज गोल्ड मेडल के मुकाबले में उतरेंगे। इनमें ओलिंपिक मेडलिस्ट लवलीना बोरगोहेन भी शामिल हैं। इससे पहले एक कॉमनवेल्थ गेम्स में सबसे ज्यादा 6 भारतीय बॉक्सर 2018 में फाइनल तक पहुंचे थे।

शनिवार को भारतीय खिलाड़ी बॉक्सिंग, एथलेटिक्स, पैरा एथलेटिक्स, जूडो, ट्रैक साइक्लिंग और लॉन बॉल्स में चुनौती पेश करेंगे। दिनभर में कुल 44 गोल्ड मेडल इवेंट्स होंगे। इनमें 19 एथलेटिक्स-पैरा एथलेटिक्स, 14 बॉक्सिंग, 6 ट्रैक-पैरा ट्रैक साइक्लिंग और 5 जूडो के फाइनल शामिल हैं।

लॉन बॉल्स में 3:50 बजे नवनीत सिंह और दिनेश कुमार की भारतीय जोड़ी पुरुष पेयर्स सेक्शनल प्ले में इंग्लैंड का सामना करेगी। क्वालिफाई करने पर यही जोड़ी रात 11:45 बजे सेमीफाइनल खेलेगी।

बॉक्सिंग में लवलीना बोरगोहेन और सचिन सिवाच गोल्ड मेडल मुकाबले खेलेंगे।

बॉक्सिंग में भारत के 10 मेडल पक्के

भारत की शुरुआत दोपहर 3:30 बजे प्रीति पवार के महिला 54 kg फाइनल से होगी। इसके बाद 3:45 बजे जैस्मिन लांबोरिया (57 kg) और 4:15 बजे जदुमणि सिंह (55 kg) गोल्ड के लिए उतरेंगे। रात 9 बजे साक्षी चौधरी 51 kg, 9:15 बजे प्रिया घंघास 60 kg, 9:30 बजे अरुंधति चौधरी 70 kg, 10:15 बजे लवलीना बोरगोहेन 75 kg, 10:45 बजे सचिन सिवाच 60 kg, 11:15 बजे अंकुश पंघाल 80 kg और 11:45 बजे नरेंद्र बरवाल 90+ kg में अपने फाइनल मुकाबले खेलेंगे।

एथलेटिक्स और पैरा एथलेटिक्स में भी मेडल की उम्मीद

दोपहर 2:35 बजे शुभम जुयाल और सोमन राणा पुरुष शॉटपुट एफ-57 फाइनल में उतरेंगे। इसके बाद 2:40 बजे प्रवीण चित्रावेल और सेल्वा प्रभु तिरुमारण पुरुष ट्रिपल जंप में हिस्सा लेंगे। फिर दोपहर 2:50 बजे रमेश शन्मुगम पुरुष 1500 मीटर टी-54 और 3 बजे प्रियंका गोस्वामी एंड रवीना गायकवाड़ महिला 10,000 मीटर रेस वॉक फाइनल खेलेंगी। रात 11:35 बजे देव मीणा और कुलदीप कुमार पुरुष पोल वॉल्ट फाइनल में उतरेंगे। इसके बाद 12:15 बजे गुलवीर सिंह पुरुष 5000 मीटर और 1:50 बजे भारत की मिक्स्ड 4x400 मीटर रिले टीम पदक के लिए चुनौती पेश करेगी।

जूडो में उन्नति शर्मा, करणजीत सिंह मान, हर्ष तोकस और इनुंगानबी ताखेल्लामबम अपने-अपने शुरुआती मुकाबले खेलेंगे। जीत मिलने पर वे अगले दौर में पहुंचेंगे। ट्रैक साइक्लिंग में 4:19 बजे दिनेश कुमार और हर्षवीर सिंह सेखों पुरुष 10 किमी स्क्रैच रेस क्वालिफाइंग में उतरेंगे। क्वालिफाई करने पर दोनों रात 10:50 बजे फाइनल में पार्टिसिपेट करेंगे।

मनोरंजन

बड़े भाई बताते हुए भगवान से मांगी दुआ, दोनों गले मिलते नजर आए

सलमान ने संजय दत्त के लिए इमोशनल नोट लिखा

beingsalmankhan Babaaaa for ever baba aur baba ,baba hota hai. Sanju baba hai hum sab ka baba n Sanju baba now apne bacchon ka baba , mera bada bhai Sanjay Dutt, Allah,Bhagwan Jesus sab iss Aadhmi ko khush rakhain, I love you Baba.

नई दिल्ली। सलमान खान ने शुक्रवार देर रात अपने सबसे करीबी दोस्त संजय दत्त के साथ 2 तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कीं, जिनमें दोनों गले मिल रहे हैं। तस्वीरों के साथ सलमान ने कैप्शन में लिखा, 'बाबा फॉरएवर... बाबा और बाबा, बाबा होता है। संजू बाबा है हम सबका बाबा और अब अपने बच्चों का भी बाबा। मेरा बड़ा भाई संजय दत्त। अल्लाह, भगवान और जीसस सब इस आदमी को हमेशा खुश रखें। आई लव यू बाबा।' संजय दत्त और सलमान खान की दोस्ती बॉलीवुड में मिसाल मानी जाती है। हालांकि, एक बार ऐसा भी हुआ था जब संजय दत्त, सलमान से नाराज हो गए थे। इस किस्से का खुलासा खुद सलमान ने रजत शर्मा के शो में किया था। सलमान ने बताया था कि सोहेल खान की फिल्म 'मैंने दिल तुझको दिया' में संजय दत्त ने दोस्ती की खातिर गेस्ट अपीयरेंस किया था। शूटिंग पूरी होने के बाद संजय दत्त सलमान के घर पहुंचे, जहां पार्टी चल रही थी। उसी दौरान सलमान के पास नई BMW M5 आई थी। वह संजय दत्त को बाहर ले गए और बोले, 'बाबा, यह देश की पहली BMW M5 है और मैं चाहता हूं कि यह आपके पास हो।'

फैंस को सलमान और संजय के बीच यह बॉन्ड बहुत पसंद आ रहा है। कई लोगों ने इस पर रिएक्ट किया। संजय दत्त की पत्नी मान्यता दत्त ने पोस्ट पर कमेंट किया, 'ब्रदर्स फॉर लाइफ।' वहीं, संजय दत्त की बड़ी बेटी त्रिशाला दत्त ने हार्ट इमोजी कमेंट किए।

तस्वीरों में सलमान खान ब्लैक टी-शर्ट और ब्लैक पैंट में नजर आ रहे हैं। उन्होंने ग्रे रंग की फ्लैट कैप पहन रखी है।

काउंटडाउन शुरू ! यश की टॉक्सिक के ट्रेलर की रिलीज डेट का एलान

नई दिल्ली। साल की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में यश की टॉक्सिक शामिल हो गई है। फिल्म अगस्त के आखिरी हफ्ते में रिलीज होने के लिए शेड्यूल कर दी गई है। इस बीच अब मेकर्स ने इसके ट्रेलर की रिलीज डेट भी अनाउंस कर दी है। आइए जानते हैं कब रिलीज होगा टॉक्सिक का मोस्ट अवेटेड ट्रेलर? केवीएन प्रोडक्शन ने हाल ही में फिल्म का एक इंटेंस पोस्टर रिलीज करते हुए फिल्म के ट्रेलर की रिलीज डेट भी बता दी है। प्रोडक्शन हाउस ने पोस्टर के साथ लिखा, 'काउंटडाउन शुरू हो गया है, टॉक्सिक का ट्रेलर 8 अगस्त 2026 को रिलीज होगा। टॉक्सिक एक फेयरी टेल ग्रॉन अप्स दुनियाभर के सिनेमाघरों में 26 अगस्त को रिलीज की जाएगी'। कियारा आडवाणी ने भी नया पोस्टर और रिलीज डेट पर अपडेट दिया है। 31 जुलाई को कियारा आडवाणी के बर्थडे पर मेकर्स ने उनके किरदार नादिया का दीदार फैंस को करवाया था और अब एक दिन बाद मेकर्स ने इसके ट्रेलर की रिलीज डेट अनाउंस कर दी है। टॉक्सिक के टीजर, गानों और पोस्टर्स को दर्शकों का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है वहीं अब ट्रेलर का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है।

बॉलीवुड डेब्यू करने जा रहे एल्विश

टाइगर श्रॉफ के साथ एक्शन फिल्म में आएंगे नजर

नई दिल्ली। एल्विश यादव ने अपने करियर की शुरुआत एक यूट्यूबर और कंटेंट क्रिएटर के तौर पर की थी। बाद में वो कई रियलिटी शो में भी नजर आए जिसके बाद वे घर-घर में पहचाने जाने लगे। एल्विश ने पिछले साल वेब शो 'औकात के बाहर' से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था। अब खबर आ रही है कि वे बहुत जल्द बॉलीवुड डेब्यू करने वाले हैं। टीवी एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे के पति विक्की जैन ने अपने प्रोडक्शन हाउस 'VJ फ्रेम्स' का ऐलान किया है। उनकी पहली फिल्म में टाइगर श्रॉफ, अभिषेक बनर्जी और एल्विश नजर आएंगे। बिना नाम वाली इस फिल्म को रेमो डिसूजा डायरेक्ट करेंगे। असल में, यह सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक एक्शन फ्रैंचाइजी होगी। फिल्म की शूटिंग 1 अगस्त से शुरू हो रही है। तरण आदर्श ने एक ट्वीट के जरिए इसकी जानकारी दी। वहीं एल्विस के फैन्स उनके बॉलीवुड डेब्यू को लेकर बहुत उत्साहित हैं। एक फैन ने ट्वीट किया, 'बहुत एक्साइटेड हूं और आप पर गर्व है एल्विश यादव, पिछले 10-12 सालों में आपने जो लगन और कड़ी मेहनत दिखाई है, उसका फल अब आखिरकार मिल रहा है।'

एल्विश के फैंस ने जाहिर की खुशी

एक अन्य एक्स यूजर ने लिखा, 'ऑल द बेस्ट, एलविशयादव अपने नफरत करने वालों को गलत साबित करो जैसे तुम हमेशा करते हो भाई।' एक और ने ट्वीट किया, 'बधाई हो भाई एल्विश यादव भाई, यूट्यूब पर वीडियो देखते थे पहले टीवी पर, अब सीधे सिनेमा हॉल में देखेंगे भाई, सब सपने पूरे हो रहे भाई, आई लव यू भाई, महादेव आपको आशीर्वाद दें।'

एल्विश यादव बिग बॉस ओटीटी सीजन 2, प्लेग्राउंड, एमटीवी रोडीज डबल एक्सः डबल क्रॉस, लाफ्टर शेफ्स और अन्य टीवी शोज में नजर आ चुके हैं। अब उनके फैंस बड़े पर्दे पर उन्हें देखने के लिए एक्साइटेड हैं।

रशिमका शूटिंग के दौरान हुईं चोटिल

डांस सीक्वेंस में हिप का टेंडन अलग हुआ, डॉक्टर ने दी 6 हफ्ते आराम की सलाह

नई दिल्ली। रश्मिका मंदाना अपनी एक अपकमिंग फिल्म के डांस सीक्वेंस की शूटिंग के दौरान चोटिल हो गई हैं। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, यह चोट उन्हें डांस और एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग के दौरान लगी। हालांकि, रश्मिका या उनकी टीम की तरफ से इसको लेकर कोई ऑफिशियल स्टेटमेंट जारी नहीं किया गया है। चोट की वजह से रश्मिका का शूटिंग शेड्यूल रोक दिया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, रश्मिका मंदाना अपनी एक अपकमिंग फिल्म के डांस सीक्वेंस की शूटिंग कर रही थीं। इसी दौरान उनकी हिप से जुड़ा एक टेंडन पूरी तरह अलग हो गया। डॉक्टरों के अनुसार, इस तरह की चोट आमतौर पर प्रोफेशनल एथलीट्स में देखी जाती है। मेडिकल जांच के बाद उन्हें छह हफ्ते तक पूरी तरह आराम करने और फिर बताए गए रिहैबिलिटेशन प्रोग्राम को शुरू करने की सलाह दी गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, उनकी अभी की शूटिंग और कमर्शियल असाइनमेंट्स को रीशेड्यूल किया जा सकता है। सोशल मीडिया पर फैंस उनके जल्दी ठीक होने की दुआ कर रहे हैं।

रश्मिका मंदाना अभी इंडियन सिनेमा की सबसे बिजी एक्ट्रेसेस में से एक हैं। वह कई भाषाओं की फिल्मों में काम कर रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वह अभी चार बड़ी फिल्मों की शूटिंग कर रही हैं और लगभग 30 नेशनल और इंटरनेशनल ब्रांड्स को प्रमोट कर रही हैं।

वर्कफ्रंट की बात करें तो वह आखिरी बार हिंदी फिल्म 'कॉकटेल 2' में नजर आई थीं। वहीं, रश्मिका की साल 2025 में पांच फिल्में रिलीज हुईं। उन्होंने हिंदी फिल्म 'छावा' में महारानी येसूबाई का किरदार निभाया। इसके बाद वह 'सिकंदर' में सैसरी राजकोट की भूमिका में नजर आईं। वहीं, रश्मिका ने तेलुगु-तमिल द्विभाषी फिल्म 'कुबेरा' और हिंदी फिल्म 'थामा' में भी काम किया। इसके अलावा वह तेलुगु फिल्म 'द गर्लफ्रेंड' में भी नजर आईं।

शूटिंग और ब्रांड कमिटमेंट्स पर पड़ सकता है असर

इस चोट की वजह से रश्मिका के आने वाले शूटिंग शेड्यूल और दूसरे प्रोफेशनल कमिटमेंट्स पर असर पड़ सकता है। वह अभी राणाबली और माइसा जैसी कई बड़े बजट की फिल्मों पर काम कर रही हैं और कई एंडोर्समेंट कैंपेन भी मैनेज कर रही हैं।

बिजली प्लांट-रिफाइनरी निशाने पर होंगे, ट्रम्प बोले- ईरान पर भरोसा खत्म हो रहा

अमेरिका-इजराइल इस हफ्ते ईरान पर कर सकते हैं हमला

दावा

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिका और इजराइल ईरान के ऊर्जा ढांचे पर बड़े हमले की तैयारी कर रहे हैं। CBS न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, इस हफ्ते बिजली संयंत्रों और तेल रिफाइनरियों को निशाना बनाया जा सकता है।

इस सैन्य योजना पर शुक्रवार को कैंप डेविड में हुई ट्रम्प की कैबिनेट बैठक में भी चर्चा हुई। बैठक के दौरान ट्रम्प ने कहा, ₹हम ईरान पर बहुत जोरदार हमला करेंगे।₹ उन्होंने यह भी कहा कि अब उन्हें ईरान पर भरोसा नहीं रहा, क्योंकि ₹वे झूठ बोलते हैं, बातचीत की बात करते हैं, लेकिन बार-बार अपना वादा तोड़ देते हैं।

ट्रम्प ने शुक्रवार रात कैंप डेविड में कैबिनेट बैठक की। इस दौरान उन्होंने ईरान पर बयान दिया।

> यूरोपीय संघ के नौसैनिक मिशन ने कहा है कि उसकी निगरानी में एक कारोबारी जहाज सुरक्षित तरीके से रेड सी पार कर गया। इस दौरान जहाज को इटली के युद्धपोत ने सुरक्षा दी।

दूसरी तरफ ईरान के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अगर अमेरिका हमला करता है तो उसका जवाब पूरी तैयारी के साथ दिया जाएगा। उनके मुताबिक, जवाबी कार्रवाई में अमेरिका और इजराइल के अहम सैन्य ठिकानों और बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया जाएगा। कुवैत ने दावा किया है कि उसकी एयर डिफेंस सिस्टम ने ईरान की ओर से आए ड्रोन हमलों को रोक दिया।

क्या अमेरिका होर्मुज में ईरान का खतरा खत्म कर सकता है?

अमेरिका लगातार ईरान के ठिकानों पर हमले कर रहा है, लेकिन सवाल है कि क्या इससे होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों पर मंडरा रहा खतरा खत्म हो जाएगा? रक्षा विशेषज्ञ वोल्फगैंग पुस्ताई कहते हैं कि अमेरिका ऐसा नहीं कर पाएगा। पुस्ताई के मुताबिक, ईरान के पास जहाजों पर हमला करने के कई तरीके और कई ठिकाने हैं। ऐसे में सिर्फ हवाई हमलों से उसका पूरा नेटवर्क खत्म करना मुश्किल है।

सेना ने लोगों को चेतावनी दी है कि अगर कहीं धमाके सुनाई दें तो वे इंटरसेप्टर मिसाइलों की वजह से होंगे।

ओमान के तट के पास एक तेल टैंकर के बेहद करीब धमाका हुआ है। हालांकि, जहाज को कोई नुकसान नहीं पहुंचा, लेकिन घटना के बाद इलाके में अलर्ट जारी कर जांच शुरू कर दी गई है। यूनाइटेड किंगडम मैरिटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (UKMTO) के मुताबिक, यह घटना ओमान के खासाब से करीब 21 नॉटिकल मील (39 किमी) उत्तर-पूर्व में हुई। चालक दल ने जहाज के बेहद करीब जोरदार विस्फोट और पानी का बड़ा गुबार उठने की सूचना दी।

ईरान के संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने कहा है कि ईरान जंग जीत चुका है। अब सबसे बड़ी चुनौती इस जीत को लंबे समय तक कायम रखना और देश को मजबूत बनाना है।

> अमेरिका सिर्फ ईरान के उन हथियारों, मिसाइल लॉन्चर, ड्रोन और सैन्य ठिकानों को निशाना बना सकता है, जिनका इस्तेमाल जहाजों पर हमला करने में होता है। इससे हमलों की संख्या कम हो सकती है, लेकिन खतरा पूरी तरह खत्म नहीं होगा।

यमन के हूती विद्रोहियों ने दावा किया है कि उन्होंने 8 सऊदी तेल टैंकरों को अपना रास्ता बदलने पर मजबूर कर दिया।

हूती विद्रोहियों के प्रवक्ता याह्या सरी ने कहा, ₹सऊदी दुश्मन के खिलाफ हमारी समुद्री नाकेबंदी जारी रहेगी। हमारी सेनाएं जहां तक पहुंच सकती हैं, वहां तक उसके जहाजों को निशाना बनाएंगी।

जुलाई में 2.11 लाख करोड़ जीएसटी कलेक्शन

ये पिछले साल के मुकाबले 15.4% ज्यादा

नई दिल्ली, एजेंसी

जुलाई महीने में 2.11 लाख करोड़ रुपए GST कलेक्शन हुआ। ये पिछले साल यानी जुलाई 2025 से 15.4% ज्यादा है। पिछले साल जुलाई 2025 में GST कलेक्शन 1.83 लाख करोड़ रुपए था।

इस महीने में सेंट्रल GST यानी CGST का कुल कलेक्शन 39,835 करोड़ रुपए रहा। वहीं स्टेट GST यानी SGST से 47,881 करोड़ रुपए और इंटीग्रेटेड GST यानी IGST से 1.23 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई हुई। चालू वित्त वर्ष के पहले चार महीनों (अप्रैल-जुलाई 2026) के दौरान GST कलेक्शन 10.1% बढ़कर 8.4 लाख करोड़ रुपए रहा, जो पिछले साल की समान अवधि में 7.6 लाख करोड़ रुपए था। इस दौरान

GST कलेक्शन 9.2% बढ़कर 7.21 लाख करोड़ रुपए रहा, जो पिछले साल 6.61 लाख करोड़ रुपए था।

जीएसटी कलेक्शन यह बताता है कि देश की अर्थव्यवस्था कितनी तंदुरुस्त है। अगर कलेक्शन ज्यादा है, तो इसका मतलब है कि लोग जमकर खरीदारी कर रहे हैं, फैक्ट्रियों में उत्पादन बढ़ रहा है और लोग ईमानदारी से टैक्स भर रहे हैं। सरकार ने 1 जुलाई 2017 को देशभर में GST लागू किया था। इसके बाद केंद्र और राज्य सरकारों के 17 करों और 13 उपकरों को हटा दिया गया था।

फास्ट न्यूज

ब्रॉड पीक में हिमस्खलनः चार पर्वतारोहियों की मौत

इस्लामाबाद । पाकिस्तान की ब्रॉड पीक पर आए भीषण हिमस्खलन में चार पर्वतारोहियों की मौत हो गई है, जबकि छह अन्य लापता हैं। पाकिस्तानी अधिकारियों ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की। अल्पाइन क्लब ऑफ पाकिस्तान ने मृतकों में नेपाल के पुर बहादुर गुरुंग और ओमान की नधिरा अहमद अब्दुल्ला अल हारथी के नाम की पुष्टि की है।

कैलिफोर्निया में एफ-35बी लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त

वाशिंगटन। दक्षिणी कैलिफोर्निया में एक एफ -35बी लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। यूएस मरीन कार्प्स ने बताया कि शुक्रवार दोपहर सैन डिएगो में मिरामार एयर बेस के पास हुई इस दुर्घटना में पायलट बच गया। उसे मेडिकल सेंटर ले जाया गया है। पायलट की हालत के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई। अमेरिकी मरीन के बयान में इस घटना को क्लास ए दुर्घटना बताया गया है। यह दुर्घटना की सबसे गंभीर श्रेणी है और इसका इस्तेमाल तब किया जाता है जब नुकसान 20 लाख अमेरिकी डॉलर से अधिक हो या कोई सैन्य विमान नष्ट हो जाए।

हमास हथियार डालने के लिए तैयार लेकिन इजरायल चुप

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की पहल वाली शांति योजना के अनुसार हमास कुछ शर्तों के साथ हथियार डालने के लिए तैयार हो गया है लेकिन इजरायल ने अभी इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। ट्रंप ने कहा है कि हमास के हथियार डालने के लिए तैयार होने से क्षेत्रीय शांति के लिए उनकी योजना ऐतिहासिक मुकाम पर पहुंच गई है।

एथेनॉल से पेट्रोल पर 30 प्रति लीटर की बचत हुई

नई दिल्ली, एजेंसी

क्रूड ऑयल की कीमतें जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में 135 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गई थीं, तब अगर तेल कंपनियों ने पेट्रोल में एथेनॉल की ब्लेंडिंग न की होती, तो दिल्ली में पेट्रोल का भाव लगभग 125 रुपए प्रति लीटर पहुंच गया होता। शुक्रवार को पेट्रोलियम मंत्रालय ने एथेनॉल प्रोग्राम की लागत, खाद्य सुरक्षा पर असर और टैक्सपेयर्स की सब्सिडी से जुड़े दावों का जवाब देते हुए यह बात कही। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि संकट के समय पर इस प्रोग्राम की वजह से पेट्रोल पर प्रति लीटर लगभग 30 रुपए की बचत हुई।

पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार, वैश्विक बाजार में क्रूड की कीमतें बढ़ने के बावजूद देश में उपभोक्ताओं को पेट्रोल 94.77 रुपए प्रति लीटर के भाव पर मिला।

इसका कारण यह था कि पूर्व-निर्धारित कीमतों पर घरेलू स्तर पर खरीदे गए एथेनॉल की हर एक लीटर पेट्रोल में 20% हिस्सेदारी थी। इसी वजह से रिटेल कीमतें क्रूड के तेज उछाल से बची रहीं।

> सरकार का दावा- ब्लेंडिंग न होती तो दिल्ली में 125 लीटर मिलता, अभी 102 में मिल रहा

28 फरवरी को पश्चिमी एशिया में तनाव और संघर्ष शुरू होने के बाद, सरकार ने करीब 75 दिनों तक पेट्रोल और डीजल की कीमतों को स्थिर रखा था। इसके बाद मई में दामों में 7.5 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई थी।

अब राष्ट्रपति को मिलिट्री एक्शन का अधिकार ■ ट्रम्प के एक सांसद ने वोटिंग नहीं की

ईरान पर हमले रोकने का बिल एक वोट से गिरा

तेल अवीव/तेहरान, एजेंसी

ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई रोकने का प्रस्ताव अमेरिकी सीनेट में एक वोट से गिर गया है। गुरुवार को हुई वोटिंग में इसके पक्ष में 49 और विरोध में 50 वोट पड़े। ट्रम्प की पार्टी के एक सांसद डेव मैककॉर्मिक वोटिंग में शामिल नहीं हुए।

अगर यह प्रस्ताव पास हो जाता, तो अमेरिकी राष्ट्रपति को ईरान पर हमलों से पहले संसद की मंजूरी लेना जरूरी हो जाता। यानी राष्ट्रपति खुद यह फैसला नहीं ले सकते थे।

ईरान जंग को लेकर विपक्षी सांसद मांग कर रहे हैं कि ऐसे किसी भी सैन्य अभियान पर अंतिम फैसला संसद ही ले। ताजा घटनाक्रम के बाद इसे सीनेट में लाने के लिए

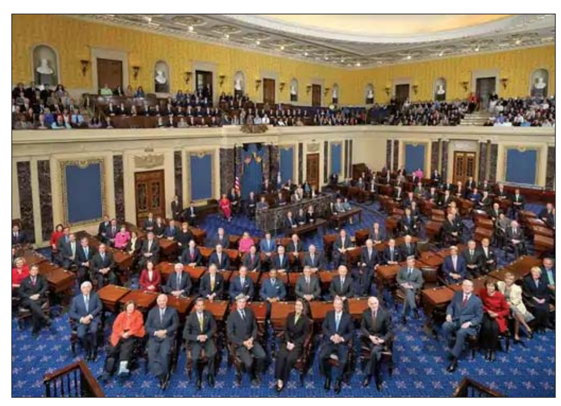

दोबारा कोशिश करनी होगी। सैन्य कार्रवाई रोकने का विधेयक फिलहाल अमेरिकी सीनेट की विदेश मामलों से जुड़ी कमेटी के पास है। ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सचिव मोहम्मद बाकिर जोलकद्र ने कहा है कि यदि अमेरिका की नौसैनिक घेराबंदी जारी रहती है तो होर्मुज पर प्रतिबंध और सख्त होगा। ऐसी स्थिति में वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा बाजार और अमेरिकी मतदाताओं को भी इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

ईरानी सरकारी समाचार एजेंसी फार्स के मुताबिक, जोलकद्र ने कहा- अमेरिकी शासन की लगातार नौसैनिक घेराबंदी और आक्रामक कार्रवाई के जवाब में दूसरे जलमार्गों और अहम समुद्री रास्तों को भी बंद किया जाएगा।

दावा- ट्रम्प ने ईरान पर नए हमलों की तैयारी के आदेश दिए

अमेरिकी अखबार द वॉल स्ट्रीट जर्नल (WSJ) ने दावा किया है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अमेरिकी सेना को इस सप्ताहांत तक ईरान पर नया सैन्य हमला करने की तैयारी करने के निर्देश दिए हैं। कार्रवाई का उद्देश्य तेहरान पर दबाव बढ़ाना है। WSJ ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से कहा है कि इस सैन्य कार्रवाई की योजना पर काम चल रहा है। हाल ही में ट्रम्प ने जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य ठिकाने पर हुए हमले के बाद ईरान को कड़ी सैन्य कार्रवाई की चेतावनी भी दोहराई थी।

> अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा है कि ईरान की ओर से होर्मुज की नाकेबंदी के दौरान अब तक 30 कमर्शियल जहाजों का रास्ता बदला गया है। समुद्री सुरक्षा और जहाजों की आवाजाही बनाए रखने के लिए इन जहाजों को वैकल्पिक मार्गों पर भेजा गया।

मोरक्को से समुद्र में तैरकर आए थे, बॉर्डर पर सेना ने रोका तो भगदड़ मची

स्पेन में घुसने पहुंचे 60 हजार प्रवासी, 57 की मौत

सिउटा, एजेंसी

स्पेन में जबरन घुसने की कोशिश के दौरान 57 अफ्रीकी प्रवासियों की मौत हो गई। न्यूज एजेंसी AP के मुताबिक, घटना तब हुई, जब गुरुवार सुबह एकसाथ स्पेनिश शहर स्यूटा में घुसने की कोशिश कर रहे थे। सीमा पर पुलिस की घेराबंदी और सुरक्षा बाड़ के बीच संकरे रास्तों के कारण लोग एक-दूसरे पर गिर पड़े। भीड़ में दबने, दम घुटने और समुद्र में डूबने के कारण यह हादसा हुआ। इस दौरान स्पेन और मोरक्को के 100 से ज्यादा सैनिक भी घायल हो गए। अंतरराष्ट्रीय नियमों के मुताबिक, स्पेन सरकार उन्हें बिना सुनवाई के सीधे वापस नहीं भेज सकती। उन्हें अस्थायी राहत शिविरों में रखा जाता है, जहां वे शरण का आवेदन करते हैं।एक बार यहां के शिविरों में जगह मिलने के बाद, कानूनी प्रक्रियाओं के तहत धीरे-धीरे इन प्रवासियों को स्पेन के मेनलैंड में जाने का मौका मिल जाता है।

अगर कोई व्यक्ति स्पेन पहुंच गया, तो वह वहां से फ्रांस, जर्मनी, इटली, बेल्जियम, नीदरलैंड जैसे दूसरे देशों में भी जा सकता है, क्योंकि यूरोप के इन देशों में आपस की सीमाओं पर पासपोर्ट जांच नहीं होती।

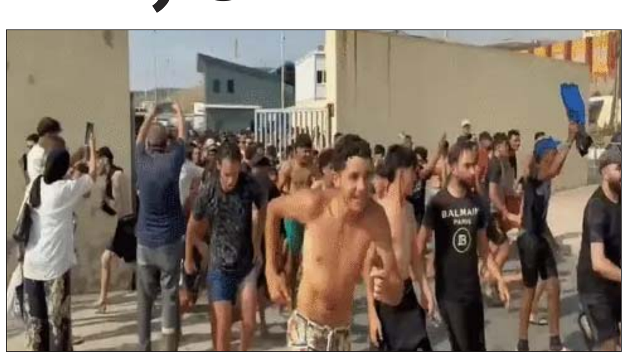

> स्पेनिश सरकार ने बताया कि 24 घंटे में मोरक्को की तरफ से करीब 60 हजार लोग तैरकर या पैदल चलकर स्यूटा में घुस चुके है। यह शहर की आबादी का 70% है।

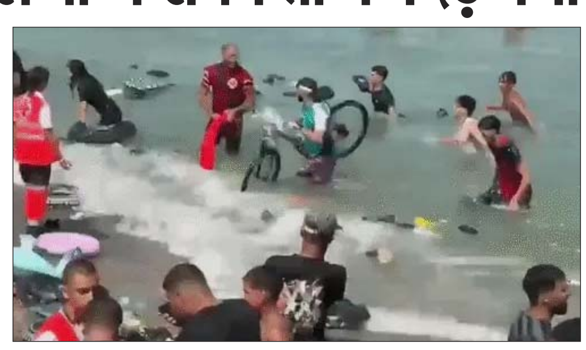

एक साथ हजारों लोग समुद्र के रास्ते स्पेनिश शहर में घुसे। वहां मौजूद सुरक्षाकर्मी इन प्रवासियों को आने से नहीं रोक सके।

मोरक्को से एकसाथ हजारों प्रवासी स्पेन में क्यों घुसे

अफ्रीका और एशिया के कई देशों में गरीबी, बेरोजगारी, युद्ध और भुखमरी जैसी समस्यां हैं। लोग अपने और अपने परिवार के अच्छे भविष्य के लिए यूरोप जाना चाहते हैं।

समुद्र में सैकड़ों किलोमीटर नाव चलाने के बजाय, मोरक्को के रास्ते स्यूटा पहुंचना प्रवासियों के लिए सबसे आसान और छोटा रास्ता लगता है जैसे ही कोई प्रवासी स्यूटा की सीमा में दाखिल होता है, उस पर स्पेन और यूरोपीय संघ के कानून लागू हो जाते हैं।

त्योहारों से पहले टूथपेस्ट से लेकर पेंट तक महंगे होंगे

मुंबई/नई दिल्ली, एजेंसी

देश की सबसे बड़ी FMCG और कंज्यूमर कंपनियां फेस्टिव सीजन से ठीक पहले और लगातार दूसरी तिमाही में अपने प्रोडक्ट्स के दाम बढ़ाने की तैयारी में हैं। टूथपेस्ट से लेकर टायर और पेंट जैसे सामान महंगे होने वाले हैं। मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष के कारण कमोडिटी लागत बढ़ रही है, जिससे देश में महंगाई लंबे समय तक ऊंचे स्तर पर बनी रहने की आशंका है। हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (HUL) आने वाली तिमाही में डिटर्जेंट और डिशवॉशिंग बार जैसी कैटेगरी में कीमतें बढ़ाएगी। HUL के अलावा डोडला डेयरी और एशियन पेंट्स समेत कम से कम 7 अन्य कंपनियां भी दाम बढ़ाने का प्लान बना चुकी हैं। भारत की सबसे बड़ी कंज्यूमर गुड्स कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर के चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर निरंजन गुप्ता ने एनालिस्ट्स को बताया कि बाहरी उतार-चढ़ाव के कारण क्रूड ऑयल से जुड़े डेरिवेटिव्स में महंगाई देखने को मिल रही है। इसी वजह से कंपनी होम केयर सेगमेंट में सोच-समझकर कीमतें बढ़ा रही है। ईरान युद्ध की वजह से एनर्जी की कीमतें लगातार ऊंची बनी हुई हैं, जिससे तुरंत कोई राहत मिलती नहीं दिख रही है। अमेरिका-ईरान के बीच तनाव फिर से भड़कने के कारण कंपनियां होम एप्लायंसेज से लेकर किचन के जरूरी सामानों पर दूसरी बार कीमतें बढ़ाने के प्लान बना रही हैं।

> एचयूएल और एशियन पेंट्स समेत 8 कंपनियां जरूरत के सामानों की कीमतें बढ़ाएंगी

राजनीति : गाजा से सेना हटाने के फैसले पर इजराइल में विरोध, 2 महीने बाद चुनाव हैं

नेतन्याहू की मुश्किल : ट्रम्प को खुश करें या कुर्सी बचाएं

तेल अवीव, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 30 जुलाई को दावा किया कि गाजा को लेकर ऐतिहासिक समझौता हो गया है। हमास हथियार छोड़ने के लिए तैयार हो गया है। इसके साथ ही इजराइली सेना भी गाजा से पीछे हट जाएगी।

ट्रम्प के ऐलान के बाद से सवाल पूछे जाने लगे हैं कि क्या इजराइल सच में गाजा से अपनी सेना हटा लेगा? यही शर्त अब इजराइल की राजनीति में सबसे बड़े विवाद की वजह बन गई है। इजराइल में कई नेता और वहां का मीडिया इस समझौते को लेकर नाराज हैं।

एक तरफ ट्रम्प दावा कर रहे हैं कि इजराइल इस समझौते से बेहद खुश है। दूसरी तरफ इजराइल ने अब तक इसे लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक इजराइली सरकार के एक सीनियर अधिकारी ने कहा कि जब तक हमास के पूरी तरह हथियार छोड़ने का पक्का भरोसा नहीं हो जाता, तब तक गाजा से सेना हटाने का सवाल ही नहीं उठता।

अमेरिका के फ्लोरिडा स्थित मार-ए-लागो क्लब में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की ओर इशारा करते हुए। फोटो- 29 दिसंबर 2025 की है।

> नेतन्याहू सरकार में वित्त मंत्री रहे स्मोट्रिच ने कहा कि गाजा से इजराइली सेना नहीं हटनी चाहिए। हमास के लोगों से हथियार छीनना ही पहली शर्त है। आखिरकार इजराइल पूरे गाजा पर नियंत्रण करेगा और वहां फिर से यहूदी बस्तियां बसाई जाएंगी।

गाजा से सेना हटाने का इजराइल में इतना विरोध क्यों?

7 अक्टूबर 2023 को हमास के हमले के बाद इजराइल ने गाजा में बड़ा सैन्य अभियान शुरू किया। तब से अब तक 73 हजार से ज्यादा फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं और गाजा का बड़ा हिस्सा तबाह हो चुका है। इसके बावजूद इजराइल में बड़ी संख्या में लोग अब भी गाजा के खिलाफ सख्त सैन्य कार्रवाई के पक्ष में हैं। मई में हुए एक सर्वे में 82% यहूदी इजराइलियों ने गाजा के फिलिस्तीनियों को उनके घरों से हटाने का समर्थन किया। 56% लोगों ने इजराइल के भीतर रहने वाले फिलिस्तीनी नागरिकों को भी हटाने की बात कही। जाहिर है कि गाजा से सेना हटाने और वहां दोबारा फिलिस्तीनी सरकार बहाल करने का विचार इजराइल में कई लोगों को पसंद नहीं है। उन्हें डर है कि अगर सेना हट गई तो हमास फिर से मजबूत होकर 7 अक्टूबर जैसा हमला कर सकता है।

जापान में फिर लगे भूकंप के झटके, 5.8 रही तीव्रता

टोक्यो, एजेंसी

जापान में कुदरत का कहर थम नहीं रहा है। शनिवार को उत्तरी जापान के आओमोरी प्रांत के पास 5.8 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। जापान मौसम विज्ञान के अनुसार, यह भूकंप स्थानीय समय के अनुसार सुबह 11:48 बजे आओमोरी के प्रशांत तट से लगभग 80 किलोमीटर की गहराई में आया।

जापानी पैमाने (7-पॉइंट स्केल) पर इसकी तीव्रता 4 दर्ज की गई। भूकंप के बाद सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है। भूकंप का केंद्र 41.3 डिग्री उत्तर अक्षांश और 142.0 डिग्री पूर्व देशांतर पर स्थित था। जापान में कुछ ही दिन पहले आए एक अन्य शक्तिशाली और विनाशकारी भूकंप के झटकों से 35 लोगों की मौत हुई थी।

हाल ही में मंगलवार को कुमामोटो प्रांत में शाम 4:27 बजे तीव्रता 7 का एक भीषण भूकंप आया था, जिसने पूरे इलाके में भारी तबाही मचाई। शुक्रवार को अधिकारियों ने पुष्टि की कि आपदा में मृतकों की संख्या बढ़कर 35 हो गई है।

मृतकों में कुछ ऐसे लोग भी शामिल हैं जिनकी मौत के सटीक कारणों की जांच की जा रही है ताकि यह स्पष्ट हो सके कि मौत सीधे झटकों की वजह से हुई या अन्य कारणों से। कुमामोटो के आपदा प्रभावित इलाकों जैसे यात्सुशिरो और उकी शहरों में जमीनी हालात बेहद भयावह हैं। मुख्य सड़कें मुड़ चुकी हैं और उनमें गहरी दरारें आ गई हैं, जिससे यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।

मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96